केन्द्रीय विद्यालय संगठन, हैदराबाद संभाग

छात्र सहायक अध्ययन सामग्री

कक्षा –दसवीं,(सत्र 2023–2024)

हिंदी (कोर्स–अ)

मुख्य संरक्षक

डॉ डी मंजुनाथ

(उपायुक्त)

संरक्षक

श्री टी प्रभुदास (सहा.आयुक्त)

श्री मती जी कृष्णावेणी (सहा.आयुक्त)

श्री एम राजेश्वर राव (सहा आयुक्त)

श्री रेजी वी आर नाथ (सहा आयुक्त)

संयोजक

रणरंजय सिंह

उप प्राचार्य (के वि हकीमपेट)

छात्र सहायक अध्ययन सामग्री निर्माण समिति:

1- श्री असित कुमार मंडल (प्र. स्ना. शिक्षक – के वि, सिद्दिपेट)
2- श्रीमती कल्याणी गीता (प्र. स्ना. शिक्षिका – के वि, एन पी ए शिवरामपल्ली)
3- श्रीमती ती शोभा (प्र. स्ना. शिक्षिका – के वि उप्पल-2)
4- श्री शेख अयूब (प्र. स्ना. शिक्षक – के वि, बोवेनपल्ली)
5- श्रीमती सोनाली मैत्रा (प्र. स्ना. शिक्षिका – के वि, उप्पल-1)
6- श्रीमती नीता (प्र. स्ना. शिक्षिका – के वि, सिरसिल्ला)
7- श्री मती पूनम (प्र. स्ना. शिक्षिका – के वि, पिकेट)

प्रस्तुत छात्र सहायक अध्धयन सामग्री केविसं हैदराबाद के संभाग के अनुभवी शिक्षकों के द्वारा तैयार की गयी हैं | इसका उद्देश्य कक्षा दसवीं के छात्रों को हिंदी विषय से संबंधित अवधारणा आधारित प्रश्नों को समझने के साथ –साथ इस तरह के प्रश्नों का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करना हैं | इस अध्ययन सामग्री में केवल उन्ही अध्यायों से सम्बंधित बहुविकल्पीय प्रश्नों के समूह का निर्माण किया गया है,जो बोर्ड कि परीक्षा में पूछे जाएंगे| सीबीएसइ द्वारा हटाए गए अध्याय को इसमें शामिल नहीं किया गया है | यह अध्ययन सामग्री निश्चित रूप से कक्षा दसवीं के छात्रों के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी |

पद्य भाग

सूरदास (पद)

निम्नलिखित पदों को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. ऊधौं, तुम हौ अति बड़भागी |
   अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी |
   पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी |
   ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी |
   प्रीति-नदी मैं पाऊँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी |
   "सूरदास" अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी ||

   1 गोपियाँ उद्धव को बड़भागी क्यों कहती हैं ?
   (क) क्योंकि उद्धव कृष्ण के सखा हैं
   (ख) क्योंकि उद्धव ने कभी प्यार नहीं किया
   (ग) क्योंकि उद्धव ने कृष्ण का छल नहीं सहा
   (घ) क्योंकि उद्धव ज्ञानमार्गी हैं

   2 उपरोक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित विकल्पों के लिए नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन-सा विकल्प सही नही है ?
   (क) उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के पत्तों से की गई है
   (ख) उद्धव के व्यवहार की तुलना जल में पड़ी तेल की बूँद से की गई है
   (ग) उद्धव के व्यवहार की तुलना नमक से की गई है
   (घ) उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के पत्तों से और तेल की बूँद से की गई है
   (1) (क), (ख), और (घ) तीनों सही है
   (2) (क) और (ख) दोनों सही है
   (3) (घ) सही है
   (4) (ग) सही है

   3 कमल के पत्ते और उद्धव में क्या समानता है ?
   (क) दोनों बहुत कोमल होते हैं
   (ख) दोनों अपनों के निकट रहते हैं
   (ग) दोनों अपनों से दूरी बनाए रखते हैं
   (घ) दोनों बहुत उदासीन रहते हैं

4 गोपियाँ स्वयं को भोली क्यों कहती हैं ? क्योंकि –

(क) वे बिना परिणाम जाने प्रेम में मग्न हो गई

(ख) वे कृष्ण के छल को समझ नहीं सकीं

(ग) वे कृष्ण की बातों में आ गई

(घ) वे उद्धव की बातों में आ गई

5. गोपियों ने उद्धव को भाग्यवान क्यों कहा है ?

(क) उसे कृष्ण जैसा मित्र मिला

(ख) उसे योग का ज्ञान प्राप्त है

(ग) वह कृष्ण के साथ रहता है

(घ) वह कभी प्रेम के चक्कर में नहीं पड़ा

2. मन की मन ही माँझ रही |
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही |
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही |
अब इन जोग संदेसिनी सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही |
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही |
"सूरदास" अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही ||

1 वह कौन-सी बात किसके मन ही मन में रह गई ?

(क) गोपियों की कृष्ण-प्रेम की भावना

(ख) गोपियों की योग-अभ्यास की भावना

(ग) गोपियों की वियोग-वेदना की भावना

(घ) गोपियों की कृष्ण के प्रति वात्सल्य की भावना

2 योग-संदेश का गोपियों पर क्या प्रभाव हुआ ?

(क) वे प्रसन्न हो उठी

(ख) उन्हें कृष्ण का प्रेम मिल गया

(ग) वे खिन्न हो उठीं

(घ) वे विरह से व्यथित हो उठीं

3 गोपियाँ योग-संदेश को अपने लिए क्या मानती हैं ?

(क) अपना एक सहारा मानती हैं

(ख) अपना एक सहायक मानती हैं

(ग) अपने लिए कृष्ण का उपहार मानती हैं

(घ) अपने लिए एक जंजाल मानती हैं

4 उपरोक्त पद्यांश में किसने कौन सी मर्यादा तोड़ी है ?

(क) उद्धव ने लोकव्यवहार की मर्यादा तोड़ी है

(ख) गोपियों ने विरह की मर्यादा तोड़ी है

(ग) कृष्ण ने प्रेम की मर्यादा तोड़ी है

(घ) अपनी मातृभूमि की मर्यादा तोड़ी है

5 यह संवाद कौन किसे कह रहा है ?

(क) गोपियाँ अन्य सखियों से

(ख) गोपियाँ ऊधो से

(ग) गोपियाँ कृष्ण से

(घ) गोपियाँ ब्रजवासियों से

3. हमारैं हरि हारिल की लकरी |
मन क्रम बचन नंद-नंदनउर, यह दृढ़ करि पकरी |
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री |
सुनत जोग लागत है ऐसौं, ज्यौं करुई ककरी |
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी |
यह तौ "सूर" तिनहिं लै सौंपो, जिनके मन चकरी ||

1 "हरि हारिल की लकरी" का क्या आशय है ?
(क) हरि हारिल पक्षी का सहारा है
(ख) हरि हारिल को भगाने वाली लकड़ी है
(ग) हरि हारे हुए के लिए सहारा है
(घ) हरि हारिल की लकड़ी के समान सहारा हैं

2 गोपियों को योग संदेश किसके समान कटु लगती है ?
(क) जामुन के समान
(ख) खीरे के समान
(ग) करेले के समान
(घ) कड़वी ककड़ी के समान

3 "जिनके मन चकरी" से क्या आशय है ?
(क) जिनके मन दुविधा से ग्रस्त हैं
(ख) जिनके मन में अन्य किसी का प्रेम बसा है
(ग) जिनके मन में प्रेम का चक्कर चला हुआ है
(घ) जिनके मन में प्रेम नहीं है

4 उपरोक्त पद्यांश का मूल भाव क्या है ?
(क) मन की भटकन
(ख) कृष्ण के प्रति अटूट निष्ठा
(ग) योग की व्यर्थता
(घ) योग विद्या का महत्त्व

5 इस पद का विषय क्या है ?
(क) मन की भटकन
(ख) योगविदधा का महत्त्व
(ग) योग की व्यर्थता
(घ) कृष्ण के प्रति अटूट निष्ठा

4. हरि हैं राजनीति पढ़ि आए |
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए |
इक अति चतुर हुते पहिलै ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए |
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-संदेश पठाए |
ऊधौं भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए |
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए |
ते क्यौं अनीति करै आपुन, जे और अनीति छुड़ाए |
राज धरम तौं यहै "सूर", जो प्रजा न जाहिं सताए ||

1 उपरोक्त पद्यांश में किस पर व्यंग्य किया गया है ?
(क) कृष्ण पर
(ख) उद्धव पर
(ग) कृष्ण और उद्धव पर
(घ) राजनीतिज्ञों पर

2 गोपियाँ किस बात को राजनीति मानती हैं ?
(क) योगविद्या सिखाने को
(ख) प्रेम-प्रसंग भुलाने को
(ग) प्रेम भुलाकर योग सिखाने को
(घ) उद्धव के संदेश को

3 भले लोगों की क्या पहचान होती थी ?
(क) वे अपने काम से काम रखते थे
(ख) वे दूसरों के हित में भागदौड़ किया करते थे
(ग) वे दूसरों के कामों में अड़ंगा डालते थे
(घ) वे परहित के काम से भागते थे

4 "सूर" के अनुसार राजधर्म क्या है ?
(क) राजा को प्रजा से कोई कष्ट न हो
(ख) प्रजा को राजा से कोई कष्ट न हो
(ग) प्रजा को किसी प्रकार का कोई कष्ट न हो
(घ) कोई प्रजा के पास जाकर न सताए

5 इक अति चतुर हुते पहिलें ही- किसे उलाहना दिया गया है ?
(क) कृष्ण को
(ख) उद्धव को
(ग) कृष्ण और उद्धव को
(घ) गोपियों को

अन्य बहुविकल्पी प्रश्न –

(1) गोपियाँ उद्धव को बड़भागी क्यों कह रही हैं ?

(क) उनसे ईर्ष्या कर
(ख) उनसे खीझकर
(ग) उन पर व्यंग्य कर
(घ) उन पर क्रोध कर

(2) गोपियों ने उद्धव को भाग्यवान क्यों कहा है ?

(क) उसे कृष्ण जैसा मित्र मिला
(ख) उसे योग का ज्ञान प्राप्त है
(ग) वह कृष्ण के साथ रहता है
(घ) वह कभी प्रेम के चक्कर में नहीं पड़ा |

(3) हारिल की लकड़ी किसे कहा गया है ?

(क) कृष्ण-प्रेम को
(ख) गोपियों को
(ग) उद्धव को
(घ) योग के ज्ञान को

(4) गोपियाँ उद्धव को राजधर्म का उलाहना क्यों दे रही हैं ?

(क) ताकि कृष्ण गोपियों के कष्ट हरें
(ख) ताकि कृष्ण गोपियों को आकर मिलें
(ग) ताकि कृष्ण ब्रज से प्रेम करें
(घ) ताकि कृष्ण ब्रज का पूरा ध्यान रखें

(5) सूरदास के "पद" सूरदास की किस रचना से, किस अध्याय से व किस भाषा में रचित है ?

(क) सूर सारावली – भ्रमरगीत – ब्रज
(ख) सूरसागर – भ्रमरगीत – ब्रज
(ग) साहित्य लहरी – भ्रमरगीत – अवधी
(घ) रामचरितमानस – भ्रमरगीत – अवधी

(6) योग का संदेश किसने भेजा ?

(क) राम ने
(ख) उद्धव ने
(ग) श्रीकृष्ण ने
(घ) वासुदेव ने

(7) गोपियों के जीवन का आधार कवि ने किस अवधि को बताया है ?

(क) उद्धव के लौटकर जाने की अवधि को
(ख) श्रीकृष्ण के लौटकर आने की अवधि को
(ग) गोपियों के आपस में मिलने की अवधि को
(घ) इनमें से कोई नहीं

(8) राजा का धर्म क्या होना चाहिए ?

(क) वह प्रजा को सताए नहीं
(ख) वह प्रजा के हितों का ध्यान रखे
(ग) (1) और (2) दोनों
(घ) इनमें से कोई नहीं

(9) गोपियाँ किससे गुहार करना चाहती हैं?

(क) यशोदा से
(ख) उद्धव से
(ग) सखियों से
(घ) श्रीकृष्ण से

(10) किसके मन की बात मन में हो रही है ?

(क) कृष्ण के

(ख) उद्धव के

(ग) गोपियों के

(घ) भ्रमर के

11. गोपियों का मन चुराकर कौन ले गया था?

क. उद्धव
ख. अक्रूर
ग. नंद
घ. श्रीकृष्ण

12. सूरदास के उपास्य देव कौन थे?

क. श्रीकृष्ण
ख. श्रीराम
ग. विष्णु
घ. निर्गुण ईश्वर

उत्तर= क. श्रीकृष्ण

13. उद्धव को 'बड़भागी' किसने कहा है?

क. यशोदा माता ने
ख. नंद ने
ग. कंस ने
घ. गोपियों ने

14. 'प्रीति-नदी' किसके लिए प्रयोग किया गया है?

क. ऊद्धव के लिए
ख. यशोदा के लिए
ग. नंद के लिए
घ. श्रीकृष्ण के लिए

15. प्रथम पद में कौन अपने-आपको भोली और अबला समझती हैं?

क. देवकी
ख. यशोदा
ग. गोपियाँ
घ राधा

16. 'गुर चाँटी ज्यौं पागी'-इस पंक्ति में 'गुर' अर्थात् गुड़ किसे कहा गया है?

क. श्रीकृष्ण को
ख. उद्धव को
ग. श्रीकृष्ण के प्रेम को
घ. गोपियों को

17. 'मन की मन ही माँझ रही' का अर्थ है?

क. मन की दृढ़ता
ख. मन की बात मन में ही रहना
ग. मन का भेद
घ. मन का पाप

18. गोपियाँ कौन-सी बात किसे बताना चाहती थीं?

क. अपने मन की बात श्रीकृष्ण को
ख. अपने मन की बात उद्धव को
ग. संसार के व्यवहार की बात अक्रूर को
घ. समाज की बात नंद को

19. उद्धव गोपियों को कौन-सा संदेश देता है?

क. प्रेम का
ख. योग-साधना का
ग. मोक्ष-प्राप्ति का
घ. भक्ति का

20. गोपियों ने हरि (श्रीकृष्ण) की तुलना किससे की है?

क. गिद्ध से
ख. बाज से
ग. हारिल से
घ. कबूतर से

21: गोपियाँ सोते जागते रात-दिन किसका ध्यान करती हैं?

क. श्रीकृष्ण का
ख. उद्धव का
ग. कंस का
घ. बलराम का

22. गोपियाँ 'कड़वी ककड़ी' किसे कहती हैं?

क. ककड़ी को
ख. श्रीकृष्ण को
ग. यशोदा को
घ. उद्धव द्वारा दिए गए योग संदेश को

23. 'मन चकरी' से क्या अभिप्राय है?

क. मन की चालाकी
ख. मन का चक्र
ग. मन की अस्थिरता
घ. मन की स्थिरता

24. 'सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए' पंक्ति में 'ब्याधि' किसे कहा गया है?

क. योग साधना को
ख. भक्ति संदेश को
ग. श्रीकृष्ण को
घ. विरह को

25. गोपियों के अनुसार किसने राजनीति की शिक्षा प्राप्त की है?

क. कंस ने
ख. नंद ने
ग. श्रीकृष्ण ने
घ. ऊधौ ने

26. 'मधुकर' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

क., भ्रमर के लिए
ख. श्रीकृष्ण के लिए
ग. नंद के लिए
घ. उद्धव के लिए

27. गोपियों के अनुसार पहले से ही चतुर कौन था? .

क. बलराम
ख. श्रीकृष्ण
ग. कंस
घ. उद्धव

28. कवि सूरदास के गुरु कौन थे?

क. शंकराचार्य
ख. वल्लभाचार्य
ग. कुंभनदास
घ. हरिदास

29. सूरदास ने किस भाषा में साहित्य की रचना की है?

क. अवधी
ख. मैथिलि
ग. ब्रज
घ. भोजपुरी

30. काव्यग्रंथ 'सूरसागर' के जिस भाग में उद्धव गोपियों को योगसंदेश देते है वह भाग किस नाम से जाना जाता है?

क. भ्रमर गीत
ख. योग संदेश
ग. कर्मसंदेश
घ. राजसंदेश

31. गोपियों को उद्धव योग संदेश देने आये I गोपियों ने उनपर किसके बहाने व्यंग्य बाण छोड़े?

क. तितली
ख. कौवा
ग. भ्रमर
घ. ततेया

32. 'पुरइनि पात रहत जल भीतर , ता रस देह ना दागी' प्रस्तुत पंक्ति में कमल के पत्ते की क्या विशेषता बताई गई है?

क. पानी के संपर्क में रहने से कमल का पत्ता गल जाता है.
ख. कमल के पत्ते पर पानी का कोई प्रभाव नहीं पड़ता.
ग. पानी में रहकर पत्ता गहरे रंग का हो जाता है.
घ. पानी में रहने से पत्ते का आकार छोटा हो जाता है.

33. ज्यों जल माहें तेल की गागरि, बूँद न ताकौ लागी .' प्रस्तुत पंक्ति में पानी की बूँद की कौन-सी विशेषता बताई गई है?

क. पानी की बूँद तेल में डूब जाती है.
ख. पानी की बूँद तेल लगी मटकी पर टिकती नहीं.
ग. पानी की बूँद पर तेल का कोई असर नहीं होता.
घ. उपरोक्त सभी.

34. 'प्रीति नदी मैं पाऊं न बोरयो, दृष्टि न रूप परागी.' इस पंक्ति में किसने प्रीति रूपी नदी में पैर नहीं डुबोया?

क. उद्धव ने
ख. सूरदास ने
ग. सुदामा ने
घ. श्रीकृष्ण ने

35. 'सूरदास अबला हम भोरी, गुर चांटी ज्यो पागी ।।' पंक्ति में गोपियों ने कृष्ण के प्रति अपने प्रेम को बताते हुए अपनी स्थिति किसके समान बताई है?

क. गुड के चूरे के समान
ख. गुड पर भिनभिनाती मक्खी के समान
ग. गुड से चिपकी चींटी के समान
घ. इनमें से कोई नहीं

36. 'मन की मन ही माँझ रही।' इस पंक्ति में किसके मन की बात मन रह गई?

क. उद्धव की
ख. गोपियों की
ग. सुदामा की
घ. नंद-नंदन की

37. 'मन की मन ही माँझ रही।'- पद के अनुसार गोपियों ने किस उम्मीद से तन-मन की पीड़ा सहन की?

क. उद्धव के आने की
ख. कृष्ण के साथ मथुरा जाने की
ग. कृष्ण के आने की
घ. कृष्ण का संदेश मिलने की

38. 'अब जोग संदेशनी सुनि- सुनि , बिरहिनि बिरह दही'- उपर्युक्त पंक्ति में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?

क. उपमा
ख. यमक
ग. अनुप्रास
घ. श्लेष

39. 'चाहति हुतीं गुहारि जितहीं तै, उत तै धार बही।' प्रस्तुत पंक्ति के अनुसार गोपियाँ उद्धव को उलाहना देते हुए कहती है कि वे जिससे उम्मीद कर रही थी कि उनकी रक्षा की जाएगी , वहीँ से धार बह रही थी। वहां किसकी धार बह रही थी?

क. प्रेम की
ख. योग की
ग. कर्म की
घ. ख और ग दोनों की

40. 'सूरदास अब धीर धरहिं क्यों, मरजादा न लही।' उपर्युक्त पंक्ति में गोपियाँ कहती है कि अब मर्यादा क्यों धारण करे जब मर्यादा का पालन नहीं किया? किसने मर्यादा का पालन नहीं किया?

क. कृष्ण ने
ख. राधा ने
ग. उद्धव ने
घ. गोपियों ने

41. 'हमारे हरि हारिल की लकरी। '- इसमें हारिल पक्षी के विषय में बताया गया है जो अपने पंजों में लकड़ी पकडे रखता है। गोपियों ने अपने प्रभु को हरिल पक्षी के समान बताया है। इससे उनका कृष्ण के प्रति कैसा प्रेम दिखता है-

क. एकनिष्ठ प्रेम
ख. चंचल प्रेम
ग. अस्थायी प्रेम
घ. ख और ग दोनों

42. गोपियाँ जागते –सोते , सपने में, दिन-रात किसका नाम जपती है?

क. राधा
ख. उद्धव
ग. कृष्ण
घ. बलराम

43. गोपियों को योग संदेश किसके सामान लगता है?

क. आम जैसा मीठा
ख. माखन जैसा कोमल
ग. सागर के पानी जैसा खारा
घ. कड़वी ककड़ी के समान

44. गोपियन ने योग संदेश किसे देने को कहा है?

क. जिनके मन चंचल है
ख. जिनके मन चंचल है
ग. जिनके मन भगवान के चरणों में नहीं लगे है
घ. उपरोक्त सभी

45. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द कृष्ण का पर्यायवाची नहीं है-

क. कान्हा
ख. माधव
ग. हलधर
घ. मुरलीधर

46. गोपियों को अब अपना मन वापस मिलने की आशा है। उनका मन अपने साथ कौन ले गया था?

क. अर्जुन
ख. उद्धव
ग. कृष्ण
घ. बलराम

47. निम्नलिखित में से क्या भ्रमर का पर्यायवाची है-

क. माधव
ख. मधुप
ग. माधुर्य
घ. मधुर

48. गोपियों ने कृष्ण को किस प्रकार धारण किया था?

क. मन से
ख. कर्म से
ग. वचन से
घ. उपरोक्त सभी तरह से

49.'जक री ' शब्द का क्या अर्थ है?

क. व्यर्थ होना
ख. रटना
ग. जर्जर होना
घ. दुखी होना

50.गोपियों के अनुसार सच्चा राजधर्म क्या है?

क. प्रजा का पालन करना
ख. प्रजा के सुखों का ध्यान रखना
ग. प्रजा को बिलकुल न सताना
घ. उपर्युक्त सभी

51. सूरदास के साहित्य में किस रस की प्रधानता है?

क. वात्सल्य रस
ख. वीर रस
ग. भयानक रस
घ. हास्य रस

52. सूरदास के साहित्य में किस भाषा की प्रमुखता है?

क. अवधी भाषा
ख. राजस्थानी
ग. ब्रज भाषा
घ. बुन्देली

53. गोपियों ने उद्धव के अनासक्त (अलग) रहने की तुलना किससे की है?

क. कमल के पत्ते से
ख. तेल की मटकी से
ग. कमल के पत्ते और तेल की मटकी दोनों से
घ. इनमें से कोई नहीं

54. 'प्रीति-नदी' में कौन-सा अलंकार है?

क. यमक
ख. रूपक
ग. अनुप्रास
घ. उपमा

55. 'गुर चांटी ज्यो पागी' में गुर (गुड) से किसकी तुलना हुई है और चांटी (चींटी) से किसकी?

क. गुड से उद्धव की तुलना हुई है और चींटी से गोपियों की
ख. गुड से कृष्ण की तुलना हुई है और चींटी से राधा की
ग. गुड से ब्रजवासियों की तुलना हुई है और चींटी से कृष्ण की
घ. गुड से कृष्ण की तुलना हुई है और चींटी से गोपियों की

56. गोपियों ने स्वयं को 'भोरी' क्यों कहा है?

क. वे मूर्ख थी
ख. वे छल-कपट और चतुराई से दूर थी
ग. वे उद्धव की बैटन में आ गई थी
घ. वे किसी का कहना नहीं मानती थी

57. समुझी बात कहत ..... के, समाचार सब पाए। निम्नलिखित में से रिक्त स्थान की उचित शब्द से पूर्ति कीजिए-

क. दिनकर
ख. मधुकर
ग. उद्धव
घ. कृष्ण

58. उद्धव की बडभागी किसके द्वारा कहा गया है?

क. कृष्ण के द्वारा
ख. मथुरा वासियों के द्वारा
ग. गोपियों के द्वारा
घ. स्वयं उद्धव के द्वारा

59. 'अपरस' शब्द का क्या अर्थ है-

क. सूखा
ख. अनासक्त
ग. दुर्भाग्यशाली
घ. निर्विकार

तुलसीदास – राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद

1. नाथ संभुधनु भंजनिहारा | होइही केउ एक दास तुम्हारा ||
आयेसु काह कहिअ किन मोही | सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ||
सेवकु सो जो करै सेवकाई | अरिकरनी करि करिअ लराई ||
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा | सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ||
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा | न त मारे जैहहिं सब राजा ||
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने | बोले परसुधरहि अवमाने ||
बहु धनुही तोरी लरिकाई | कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाई ||
येहि धनु पर ममता केहि हेतू | सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू ||
रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न संभार |
धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार ||

1 परशुराम किस कारण क्रोध में थे ?
(क) उनका राम ने अपमान किया था
(ख) उनका लक्ष्मण ने अपमान किया था
(ग) वे स्वभाव से ही क्रोधी थे
(घ) उनके गुरु भगवान शंकर का धनुष किसी ने तोड़ दिया था
(ङ)

2 "भृगुकुलकेतू" किनके लिए प्रयुक्त हुआ है ?
(क) राम के लिए
(ख) परशुराम के लिए
(ग) लक्ष्मण के लिए
(घ) राजा जनक के लिए

3 "दास या सेवक तो वह होता है जो सेवकाई करे |" यह कथन है –
(क) श्रीराम का
(ख) लक्ष्मण का
(ग) परशुराम का
(घ) विश्वामित्र का

4 कौन-सा शब्द भगवान शंकर का पर्यायवाची नहीं है ?
(क) सहसबाहु
(ख) शिव
(ग) संभु
(घ) त्रिपुरारी

5 "संभुधनु" का अर्थ स्पष्ट कीजिए –

(क) शंभुजी का धन

(ख) शम्भु रूपी धन

(ग) शम्भु जी का धनुष

(घ) शम्भु जी की गाय

2. लखन कहा हसि हमरे जाना | सुनहु देव सब धनुष समाना ||
का छति लाभु जून धनु तोरें | देखा राम नयन के भोरें ||
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू | मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ||
बोले चितै परसु की ओरा | रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ||
बालकु बोलि बधौ नहि तोही | केवल मुनि जड़ जानहि मोही ||
बाल ब्रह्मचारी अति कोही | बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही ||
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही | बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही ||
सहसबाहुभुज छेदनिहारा | परसु बिलोकु महीपकुमारा ||
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर |
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर ||

1 परशुराम अपने किस स्वभाव के लिए प्रसिद्ध थे ?

(क) महास्नेही

(ख) महाउदार

(ग) महादयालु

(घ) महाक्रोधी

2 उपरोक्त पद्यांश के आधार पर परशुराम की स्वभावगत विशेषता है –

(क) वे अत्यंत बलशाली योद्धा थे

(ख) वे अत्यंत उग्र एवं क्रोधी स्वभाव के व्यक्ति थे

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

3 लक्ष्मण धनुष के टूटने के बारे में तर्क दे रहे हैं –

(क) हमारे लिए तो सभी धनुष एक समान हैं

(ख) यह राम के छूते ही टूट गया

(ग) इस धनुष के टूटने से भला क्या क्षति हो गई

(घ) उपरोक्त सभी

4 अपनी भुजाओं के बल के बारे में परशुराम ने क्या कहा ?

(क) मैंने इन्हीं भुजाओं के बल पर इस पृथ्वी को राजाओं से रहित कर दिया

(ख) मैंने सहस्रबाहु की भुजाओं को भी अपने फरसे से काट डाला था

(ग) (1) और (2) दोनों

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

5 परशुराम ने भूमि जीतकर किन्हें भेंट की ?
(क) महादेव को
(ख) शंकर को
(ग) अपने गुरु को
(घ) ब्रह्मणों को

3. बिहसि लखनु बोले मृदु बानी | अहो मुनीसु महाभट मानी ||
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू | चहत उड़ावन फूँकि पहारू ||
इहाँ कुम्हडबतिया कोउ नाहीं | जे तरजनी देखि मरि जाहीं ||
देखि कुठारू सरासन बाना | मैं कछु कहा सहित अभिमाना ||
भृगुसुत समुझी जनेउ बिलोकी | जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी ||
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई | हमरे कुल इन्ह पर न सुराई ||
बधें पापु अपकीरति हारें | मारतहू पा परिअ तुम्हारें ||
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा | ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा ||
जो बिलोकि अनुचित कहेऊँ छमहु महामुनि धीर |
सुनि सरोष भृगुबंसमनि बोले गिरा गंभीर ||

1 "इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं" का अर्थ है ?
(क) यहाँ कोई मूर्ख नहीं है
(ख) यहाँ आप पर विश्वास करने वाला कोई नहीं
(ग) यहाँ आपके सामने हम छुईमुई की तरह डरपोक नहीं हैं
(घ) हम छुईमुई के फूल की तरह कोमल नहीं हैं
2 रघुकुल की श्रेष्ठ परंपरा क्या है ?
(क) रघुकुल में ब्राह्मणों को सुरापान नहीं कराया जाता
(ख) रघुकुल में ब्राह्मणों, देवताओं, भक्तों और गाय को सुरापान नहीं कराया जाता
(ग) रघुकुल में ब्राह्मणों, देवों, भक्तों और गायों पर प्रहार नहीं किया जाता
(घ) रघुकुल में ब्राह्मणों, देवों, भक्तों और गायों से शत्रुता नहीं की जाती
3 लक्ष्मण ने परशुराम के धनुष-बाण और फरसे को व्यर्थ का भार क्यों कहा ?
(क) क्योंकि अब परशुराम बूढ़े हो चुके हैं
(ख) क्योंकि अब परशुराम इन्हें चला नहीं सकते
(ग) क्योंकि परशुराम के वचन इन शस्त्रों से भी अधिक मारक हैं
(घ) क्योंकि अब उनसे कोई डरता नहीं है
4 भृगुबंसमनि किन्हें कहा गया है ?
(क) लक्ष्मण को
(ख) परशुराम को
(ग) राम को
(घ) राजा जनक को
5 लक्ष्मण ने परशुराम को मान्य वीर क्यों कहा ?
(क) परशुराम की वीरता के सम्मान में
(ख) परशुराम के बड़बोलेपन की खिल्ली उड़ाने के लिए
(ग) अपनी विनम्रता प्रदर्शित करने हेतु
(घ) सभा में अपना प्रभाव जमाने हेतु

4. कौसिक सुनहु मंद येहु बालक | कुटिलु कालबस निज कुल घालकु ||
भानुबंस राकेस कलंकू | निपट निरंकुसु अबुधु असंकू ||
कालकवलु होइहि छन माहीं | कहौं पुकारि खोरि मोहि नाहीं ||
तुम्ह हटकहु जौ चहहु उबारा | कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा ||
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा | तुम्हहि अछत को बरनै पारा ||
अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी | बार अनेक भाँति बहु बरनी ||
नहिं संतोषु त पुनि कछु कहहू | जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू ||
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा | गारी देत न पावहु सोभा ||
सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु |
बिधमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु ||

1 परशुराम ने "कौसिक" कह कर किसे संबोधित किया है ?
(क) राम को
(ख) दशरथ को
(ग) जनक को
(घ) विश्वामित्र को

2 लक्ष्मण के अनुसार वीर पुरुष युद्ध भूमि में शत्रु को सामने पाकर क्या नहीं करते ?
(क) पहले प्रहार
(ख) अपनी वीरता का वर्णन
(ग) शांति का प्रदर्शन
(घ) इनमें से कोई नहीं

3 परशुराम के अनुसार लक्ष्मण इनमें से क्या है ?
(क) मूर्ख
(ख) कुबुद्धि
(ग) कुटिल
(घ) उपर्युक्त सभी

4 शूरवीर अपनी वीरता कहाँ दिखाते हैं ?
(क) घर में
(ख) युद्ध में
(ग) बातों में
(घ) इनमें से कोई नहीं

5 युद्ध में शत्रु को सामने देखकर कायर क्या करता है ?
(क) कायर चुपचाप भाग जाता है
(ख) कायर अपनी वीरता की गाथा सुनाता है
(ग) कायर शत्रु का सामना करता है
(घ) कायर निडर होकर सबको ललकारता है

5. तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा | बार बार मोहि लागि बोलावा ||
सुनत लखन के बचन कठोरा | परसु सुधारि धरेउ कर घोरा ||
अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू | कटुबादी बालकु बधजोगू ||
बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा | अब येहु मरनिहार भा साँचा ||
कौसिक कहा छमिअ अपराधू | बाल दोष गुन गनहिं न साधू ||

खर कुठार मैं अकरुन कोही | आगे अपराधी गुरुद्रोही ||
उतर देत छोरों बिनु मारे | केवल कौसिक सील तुम्हारे ||
न त येहि काटि कुठार कठोरे | गुरहि उरिन होतेउँ श्रम थोरे ||
गाधिसू नु कह हृदय हसि मुनिहि हरियरे सूझ |
अयमय खांड न ऊखमय अजहुं न बूझ अबूझ ||

(1) साधु बालक के गुण-दोष का विचार नहीं करते- उपर्युक्त कथन किसने किसे कहा ?
(क) लक्ष्मण ने वशिष्ट जी को
(ख) राम ने परशुराम को
(ग) विश्वामित्र ने परशुराम को
(घ) लक्ष्मण ने परशुराम को

(2) "तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा" में कौन-सा अलंकार है ?
(क) उत्प्रेक्षा अलंकार
(ख) उपमा अलंकार
(ग) अनुप्रास अलंकार
(घ) रूपक अलंकार

(3) लक्ष्मण का व्यंग्य सुनकर परशुराम ने क्या प्रतिक्रिया की ?
(क) अपने धनुष-बाण को सीधा किया
(ख) अपने फरसे को सीधा किया
(ग) अपने तलवार को सीधा किया
(घ) अपने शस्त्रों को सीधा किया

(4) परशुराम के गुरु कौन थे ?
(क) भगवान विष्णु
(ख) भगवान कृष्ण
(ग) भगवान गणेश
(घ) भगवान शिव

(5) किसकी समानता "अयमय" से की गई है ?
(क) वशिष्ट की
(ख) लक्ष्मण की
(ग) परशुराम की
(घ) विश्वामित्र की

6. कहेउ लखन मुनि सीलु तुम्हारा | को नहि जान बिदित संसारा ||
माता पितहि उरिन भये नीकें | गुररिनु रहा सोचु बड़ जी कें ||
सो जनु हमरेहि माथें काढ़ा | दिन चलि गये ब्याज बड़ बाड़ा ||
अब आनिअ ब्यवहरिया बोली | तुरत देउ मैं थैली खोली ||
सुनि कटु बचन कुठार सुधारा | हाय हाय सब सभा पुकारा ||
भृगुबर परसु देखाबहु मोही | बिप्र बिचारि बचौं नृपद्रोही ||
मिले न कबहूँ सुभट रन गाढ़े | द्विजदेवता घरहि के बाढ़े ||
अनुचित कहि सबु लोगु पुकारे | रघुपति सयनहि लखनु नेवारे ||
लखन उतर आहुति सरिस भृगुबरकोपु कृसानु |
बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुलभानु ||

(1) राम और लक्ष्मण का सम्बन्ध किस वंश से है ?

(क) चंद्रवंश से

(ख) यदुवंश से

(ग) सूर्यवंश से

(घ) हरिवंश से

(2) "द्विजदेवता घरहि के बाढ़े" – यह कथन किसने किससे कहा ?

(क) विश्वामित्र ने परशुराम से

(ख) लक्ष्मण ने परशुराम से

(ग) श्रीराम ने लक्ष्मण से

(घ) राजा जनक ने श्रीराम से

(3) लक्ष्मण को शांत रहने का इशारा किसने किया ?

(क) जनक ने

(ख) श्रीराम ने

(ग) विश्वामित्र ने

(घ) वशिष्ट ने

(4) किसके कहने पर परशुराम ने अपनी माता का वध कर दिया था ?

(क) गुरु के

(ख) प्रेयसी के

(ग) विश्वामित्र के

(घ) पिता के

(5) लक्ष्मण ने ऋण चुकाने के लिए परशुराम को किसे बुलाने को कहा ?

(क) किसी मध्यस्थ को

(ख) हिसाब-किताब के जानकार को

(ग) अपने गुरु को

(घ) राज दरबारियों को

अन्य बहुविकल्पी प्रश्न –

(1) "राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद" के रचयिता कौन हैं तथा किस कांड से लिया गया है ?

(क) तुलसीदास – अरण्य कांड

(ख) तुलसीदास – लंका कांड

(ग) तुलसीदास – बाल कांड

(घ) तुलसीदास – उत्तर कांड

(2) "राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद" की भाषा क्या है और किस ग्रंथ से लिया गया है ?

(क) अवधी – रामचरितमानस

(ख) अवधि – रामचरितमानस

(ग) अवधी – रामायण

(घ) अब्धि – दोहावली

(3) शिव धनुष कैसे टूट गया ?

(क) केवल छूने मात्र से

(ख) जोर लगाने से

(ग) गिरने से

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(4) परशुराम ने अपने स्वभाव की कौन-सी विशेषता नहीं बताई है ?

(क) बाल ब्रह्मचारी

(ख) क्रोधी

(ग) क्षत्रिय कुल द्रोही

(घ) मन की गति से विचरण करनेवाला

(5) परशुराम के वचन किसके समान कठोर हैं ?

(क) लोहे के समान

(ख) पत्थर के समान

(ग) वज्र के समान

(घ) पहाड़ के समान

(6) लक्ष्मण ने परशुराम के किस स्वभाव पर व्यंग्य किया है ?

(क) चाटुकारिता

(ख) आलसीपन

(ग) मधुर

(घ) बड़बोलापन

(7) परशुराम के अनुसार लक्ष्मण इनमें से क्या हैं ?

(क) मूर्ख

(ख) कुबुद्धि

(ग) कुटिल

(घ) उपर्युक्त सभी

(8) शूरवीर को अपनी वीरता -----में प्रदर्शित करनी चाहिए

(क) स्वयंवर के समय

(ख) अपने को बड़ा बताने के समय

(ग) युद्ध भूमि में

(घ) राजभवन में

(9) पद्यांश में किस छद का प्रयोग हुआ है ?

(क) सवैया

(ख) चौपाई

(ग) दोहा

(घ) चौपाई और दोहा

(10) "राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद" में किस घटना के कारण विवाद हो रहा है ?

(क) अपनी-अपनी वीरता प्रदर्शन को लेकर

(ख) शिवजी के धनुष टूटने के कारण

(ग) लक्ष्मण की उदंडता के कारण

(घ) परशुराम के बड़बोलेपन के कारण

11- 'भूप' का अर्थ है–

राज्य

राजा

भूमि

धरती

12. 'महीपकुमार' किसे कहा गया है?

क. राम

ख. लक्ष्मण

ग. जनक

घ. परशुराम

13. 'बाल ब्रह्मचारी अति कोही' में कौन–सा अलंकार है?

क. यमक

ख. रूपक

ग. अनुप्रास

घ. उपमा

14. तुलसीदास जी के आराध्य है–

क. शिव

ख. कृष्ण

ग. राम

घ. सूरदास

15. 'रामचरितमानस' का मुख्य छंद कौन–सा है?

क. कुंडलिया

ख. छप्पय

ग. सोरठा

घ. चौपाई

16. शिवधनुष को खंडित देखकर कौन आपे से बाहर हो जाता है?

क. विश्वामित्र

ख. परशुराम

ग. शंकराचार्य

घ. वशिष्ठ मुनि

17. परशुराम जी के क्रोध भरे वाक्यों का उत्तर व्यंग्य वचनों से किसने दिया?
क. राम
ख. लक्ष्मण
ग. श्रीकृष्ण
घ. सुमंत

18. 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में परशुराम ने शिव धनुष तोड़नेवाले को अपना शत्रु बताया है और उसकी तुलना किससे की है?
क. जनक
ख. सहस्त्रबाहु
ग. कौशिक
घ. राकेश

19. सहस्त्रबाहु सम सो रिपु मोरा- इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है-
क. अनुप्रास
ख. रूपक
ग. मानवीकरण
घ. उपमा, अनुप्रास

20.परशुराम जी किस शस्त्र को धारण करते थे जिसके कारण उनका नाम परशुराम पड़ा?
क. धनुषबाण
ख. तलवार
ग. परशु
घ. त्रिशूल

21. 'यह बालक सूर्यवंश में दागदार चंद्रमा की भांति है। यह पूरी तरह मूर्ख, स्वतंत्र तथा अबोध है।' यह कथन किसने किसके लिए कहा है?
क. परशुराम ने लक्ष्मण के लिए
ख. विश्वामित्र ने लक्ष्मण के लिए
ग. परशुराम ने राम के लिए
घ. परशुराम ने विश्वामित्र के लिए

22. लक्ष्मण के अनुसार वीर पुरुष युद्ध भूमि में शत्रु को सामने पाकर क्या नहीं करते?
क. पहले प्रहार
ख. अपनी वीरता का वर्णन
ग. शांति का प्रदर्शन
घ. इनमें से कोई नहीं

23. साधु-बालक के गुण-दोष का विचार नहीं करते- उपर्युक्त कथन किसने किसे कहा?
क. लक्ष्मण ने वशिष्ठ जी को
ख. राम ने परशुराम को
ग. विश्वामित्र ने परशुराम को
घ. लक्ष्मण ने परशुराम को

24. चौपाई छंद मात्रिक छंद होता है। यह चार पंक्तियों का होता है। इसकी प्रत्येक पंक्ति में कितनी मात्राएँ होती है?
क. 13
ख. 12
ग. 11
घ. 16

25. लक्ष्मण के उत्तर परशुराम जी के क्रोध रूपी अग्नि को किसके समान भड़का रहे थे?
क. दावानल
ख. बडवानल
ग. आहुति
घ. आँधी

26. 'विप्र बिचारि बचौं नृपद्रोही।' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?
क. अनुप्रास
ख. मानवीकरण
ग. रूपक
घ. अतिशयोक्ति

27. परशुराम अपने-आपको किस कुल का द्रोही मानते है?
क. ब्राह्मण
ख. वैश्य
ग. क्षत्रिय
घ. शुद्र

28. 'द्विजदेवता धरहि के बाढ़े'- यह कथन किसने किससे कहा?
क. विश्वामित्र
ख. लक्ष्मण
ग. श्रीराम
घ. राजा जनक

29. 'गर्भन्ह के अर्भक दलन' – में अर्भक का अर्थ है-
क. गंधक
ख. शत्रु
ग. बच्चा
घ. गधा

30. जो सेवा का काम करे वो कौन कहलाता है?
क. नौकर
ख. सेवक
ग. चौकीदार
घ. इनमें से कोई नहीं

जयशंकर प्रसाद – आत्मकथ्य

1. मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास
तब भी कहते हो-कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीती।

(1) यहाँ "मधुप" कौन है ?
(क) कवि का हृदय
(ख) रसिक
(ग) भँवरा
(घ) निंदक

(2) पत्तियों का मुरझाना किस ओर संकेत करता है ?
(क) मृत्यु की ओर
(ख) सूखे की ओर
(ग) निराश जीवन की ओर जीवन की कठिनाइयों की ओर

(3) कवि ने गागर रीति किसे कहा है ?
(क) खाली घड़े को
(ख) अभावपूर्ण ज़िन्दगी को
(ग) अज्ञानता को
(घ) अपने रिक्त जीवन को

(4) कवि अपनी जीवनगाथा क्यों नहीं सुनाना चाहता है ?
(क) लोक-निंदा के भय से
(ख) औरों की उपेक्षा के भय से
(ग) लोगों के जीवन में खालीपन होने के कारण
(घ) रूचि न होने के कारण

(5) लोग आत्मकथा सुनकर क्या प्रतिक्रिया करते हैं ?
(क) प्रसन्न होते हैं
(ख) दुर्बलताओं पर खुश होते हैं
(ग) प्रेरणा पाते हैं
(घ) आनंदमग्न होते हैं

2. किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले-
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले |
यह विडम्बना ! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं |
भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं |
उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की |
अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की |

(1) कवि किसकी सरलता की हँसी नहीं उड़ाना चाहता ?
(क) अपनी
(ख) अपने मित्रों की
(ग) अपने स्वजनों की
(घ) लोगों की

(2) मधुर चाँदनी रातों से क्या आशय है ?
(क) प्रकृति का उज्ज्वल रूप
(ख) साफ़-स्वच्छ रात
(ग) प्रेम-भरे क्षण
(घ) नीला आकाश
(3) "उज्ज्वल गाथा" किसे कहा गया है ?
(क) गौरवशाली पलों को
(ख) महान अनुभवों को
(ग) प्रेम के मधुर पल
(घ) इनमें से कोई नहीं
(4) "विडम्बना" में छिपा अर्थ बताइए
(क) दुर्भाग्य
(ख) निराशा और उपहास
(ग) छल
(घ) कातर
(5) इस पद्यांश में किस शैली का प्रयोग है ?
(क) संवाद शैली
(ख) भाषण शैली
(ग) आत्मकथा शैली
(घ) वर्णन शैली

3. मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया |
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया |
जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में |
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में |
उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पन्था की |
सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की ?

(1) इस पद्यांश में किन स्मृतियों का वर्णन है ?
(क) जीवन के दुखों का
(ख) असफलताओं का
(ग) दुर्बलताओं का
(घ) प्रेम के बीते पलों का
(2) कवि अपनी प्रेमिका के -----में डूबा हैं |
(क) मोह
(ख) दुख
(ग) छल-कपट की याद
(घ) प्रेम
(3) कवि का प्रिय कवि से दूर क्यों भाग गया ?
(क) वैराग्य के कारण
(ख) घृणा के कारण
(ग) प्रेम के कारण
(घ) लाज के कारण

(4) थका पथिक कौन है ?
(क) कवि
(ख) प्रेमिका
(ग) यात्री
(घ) निराश व्यक्ति

(5) कवि किस चीज से बचना चाहता है ?
(क) अपने संस्मरण सुनाने से
(ख) अपने निजी प्रेम को साझा करने से
(ग) अपनी कमजोरियाँ बतलाने से
(घ) अपना खालीपन दिखलाने से

4. छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म-कथा ?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा |

(1) कवि आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहता ?
(क) उसके पास समय नहीं है
(ख) उसकी व्यथाएँ सोई हैं
(ग) अभी उचित समय नहीं है
(घ) (ख) और (ग) दोनों

(2) उपर्युक्त पद्यांश से कवि के स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है ?
(क) वे बड़े कवि नहीं थे
(ख) वे बहुत विनम्र थे तथा उनको अहंकार छू तक न गया था
(ग) उन्होंने अभी-अभी साहित्य जगत् में कदम रखा था
(घ) वे अपने आपको बड़ा साहित्कार समझते थे

(3) कवि की मौन व्यथा हृदय में क्या कर रही है ?
(क) थककर सो रही है
(ख) हृदय को पीड़ित कर रही है
(ग) किसी भूचाल की प्रतीक्षा कर रही है
(घ) जागने का इंतजार कर रही है

(4) कवि ने अपनी कथा को कैसा माना है ?
(क) टेढ़ी
(ख) भोली और सीधी-साधी
(ग) रहस्यमय
(घ) प्रेरणाप्रद

(5) "कथा" का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है ?
(क) अपने मित्रों के लिए
(ख) अपने जीवन इतिहास के लिए
(ग) अपने अंतर्मन के लिए
(घ) इनमें से कोई नहीं

अन्य बहुविकल्पी प्रश्न –

(1) "आत्मकथ्य" में किसकी आत्मकथा है ?
(क) असफल प्रेमी की
(ख) मधुप की
(ग) स्वयं कवि की
(घ) नायक की

(2) कवि का प्रेम -----
(क) अधूरा रह गया
(ख) भरपूर है
(ग) आनंदपूर्ण है
(घ) धन्य है

(3) कवि कैसा स्वप्न देखकर जाग गया ?
(क) डरावना
(ख) सुखद स्वप्न
(ग) दुखद स्वप्न
(घ) ऐसा स्वप्न जिसकी उन्हें प्राप्ति ही नहीं हुई

(4) कवि अपने जीवन की सुखद स्मृति को किस रूप में देखता है ?
(क) पाथेय अर्थात जीवन का एक सहारा
(ख) दुखी कर देने वाले पल के रूप में
(ग) अपनी पत्नी के रूप में
(घ) अपनी प्रेयसी के रूप में

(5) "सीवन" को उधेड़ने का अर्थ क्या है ?
(क) हृदय को चीरकर दिखाना
(ख) दिल को ठेस पहुँचाना
(ग) मन में छिपी पुरानी बातों को फिर से याद करना
(घ) दूध का दूध पानी का पानी कर देना

(6) जयशंकर प्रसाद किस वाद के प्रवर्तक कवि थे ?
(क) छायावाद
(ख) प्रयोगवाद
(ग) प्रगतिवाद
(घ) हालावाद

(7) "आत्मकथ्य" कविता की भाषा कैसी है ?
(क) प्रतीकात्मक
(ख) संस्कृत निष्ठ
(ग) गूढ़
(घ) उपर्युक्त सभी

(8) "अरी सरलते" के प्रयोग से कवि का क्या भाव प्रकट हुआ है ?

(क) अपनत्व का भाव

(ख) विद्वेष का भाव

(ग) अनासक्ति का भाव

(घ) निर्लिप्तता का भाव

(9) कवि ने "मधुर चाँदनी रात" किसे कहा है ?

(क) अपने जीवन की मीठी यादों को

(ख) सुहावनी चाँदनी रात को

(ग) आनंददायक रात को

(घ) जीवन की खुशी को

(10) कवि के आलिंगन में आते-आते कौन रह गया ?

(क) माँ

(ख) पुत्री

(ग) प्रेमिका

(घ) इनमें से कोई नहीं

सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला" – उत्साह , अट नहीं रही है

1. बादल, गरजो !-
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ !
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्‌द्युत-छबि उर में, कवि नवजीवन वाले !
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो –
बादल, गरजो !

(1) "बादल गरजो" में कवि बादल को गरजने के लिए क्यों कह रहा है ?

(क) लोगों को डराने के लिए

(ख) धरती की प्यास बुझाने के लिए

(ग) क्रांति लाने के लिए

(घ) (ख) और (ग) दोनों

(2) "नवजीवन वाले" किसे कहा गया है ?

(क) बादल को

(ख) कवि को

(ग) ईश्वर को

(घ) धरती को

(3) "धाराधर" का क्या अर्थ है ?
(क) आकाश
(ख) बादल
(ग) सूर्य
(घ) घटाएँ

(4) कवि के अनुसार नूतन कविता कैसी होनी चाहिए ?
(क) नए जोश, नई उमंग और वज्र के समान
(ख) नए जोश, नई कविता और पत्थर के समान
(ग) सुंदर, नई ऊर्जा और बिजली की-सी शोभा के समान
(घ) इनमें से कोई नहीं

(5) कवि बादलों से क्या आग्रह कर रहा है ?
(क) अपनी पूरी शक्ति से बरसने के लिए
(ख) अपनी पूरी शक्ति से गरजने के लिए
(ग) अपनी पूरी शक्ति से गिरने के लिए
(घ) इनमें से कोई नहीं

2. विकल विकल, उन्मन थे उन्मन
विश्व के निदाघ के सकल जन,
आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन !
तप्त धरा, जल से फिर
शीतल के दो-
बादल, गरजो !

(1) कवि बादलों से क्या निवेदन करता है ?
(क) धरती पर गरजो
(ख) धरती को शीतल कर दो
(ग) धरती को दहला दो
(घ) धरती पर छा जाओ
(2) "तप्त धरा" का सांकेतिक अर्थ क्या है ?
(क) गर्मी से तपती हुई धरती
(ख) जलती धरती
(ग) प्यासी धरती
(घ) दुखों से पीड़ित धरती
(3) "निदाघ" से जन-जीवन की दशा कैसी हो जाती है ?
(क) लोग खुश और उत्सुक को जाते हैं
(ख) लोगों का जीवन खुशियों से भर जाता है
(ग) जन-जीवन व्याकुल और दुखी को जाता है
(घ) जन-जीवन शांत और सुखी हो जाता है

(4) प्रस्तुत काव्यांश में बादल के किस रूप को चित्रित किया गया है ?
(क) भयंकर
(ख) लोकमंगलकारी
(ग) प्रचंड
(घ) विनाशकारी

(5) यहाँ "अनंत" शब्द का क्या अर्थ है ?
(क) जिसका अंत हो
(ख) बहुत अधिक
(ग) आकाश
(घ) जिसका अंत निश्चित हो

3. अट नहीं रही है
आभा फागुन की तन
सट नहीं रही है।
कहीं साँस लेते हो,
घर-घर भर देते हो,
उड़ने को नभ में तुम
पर-पर कर देते हो,
आँख हटाता हूँ तो
हट नहीं रही है।

(1) इस कविता में किस ऋतु का वर्णन है ?
(क) शरद ऋतु
(ख) वसंत ऋतु
(ग) पावस ऋतु
(घ) शिशिर ऋतु
(2) कवि अपनी आँखें क्यों नहीं हटा पा रहे हैं ?
(क) फागुन का सौन्दर्य आँखों को खटकता है
(ख) फागुन कष्टों से भरा है
(ग) फागुन का सौन्दर्य बहुत आकर्षक है
(घ) फागुन स्वास्थ्य के लिए बुरा है
(3) फागुन की सुगंधित वायु क्या प्रभाव डालती है
(क) मन में उल्लास भर देती है
(ख) कल्पना के पंख लग जाते हैं
(ग) व्यक्ति को अनंत गगन में उड़ने को उत्साहित करती है
(घ) उपर्युक्त सभी
(4) आसमान में पैर फैलाकर कौन उड़ना चाहता है ?
(क) बादल
(ख) कवि का मन रूपी मयूर
(ग) धरती
(घ) पक्षी

(5) कवि की आँख कहाँ से नहीं हट रही है ?
(क) फागुन में पेड़ों की सुंदरता से
(ख) फागुन में बादलों से
(ग) फागुन में प्राकृतिक सौन्दर्य से
(घ) फागुन में धरती से

4. पत्तों से लदी डाल
कहीं हरी, कहीं लाल,
कहीं पड़ी है उर में
मंद-गंध-पुष्प-माल,
पाट-पाट शोभा-श्री
पट नहीं रही है |

(1) पत्तों के लिए कविता में क्या विशेषण प्रयुक्त किया गया है ?
(क) हरा-पीला
(ख) लाल-पीला
(ग) हरा-लाल
(घ) सभी
(2) फूलों की माला की क्या विशेषता है ?
(क) इसके रंग लुभावने हैं
(ख) इसमें से मंद-मंद सुगंध आ रही है
(ग) उपरोक्त दोनों सही
(घ) कोई नहीं
(3) फागुन के महीने में वातावरण कैसा हो जाता है ?
(क) सुहावना
(ख) मादक
(ग) ललित
(घ) उपरोक्त सभी
(4) वन के वैभव में क्या कूट-कूट कर भरा है ?
(क) पेड़-पौधे
(ख) पानी
(ग) शोभा और सौन्दर्य
(घ) सुगंध
(5) फागुन के कारण उपवन कैसे लग रहे थे ?
(क) महके हुए
(ख) फूलों से लदे हुए
(ग) नए-नए पत्तों से सजे हुए
(घ) उपरोक्त सभी

अन्य बहुविकल्पी प्रश्न –

(1) "उत्साह" कविता में कवि ने क्रांति का दूत किसे कहा है ?
(क) पानी को
(ख) किसानों को
(ग) बादलों को
(घ) शासन वर्ग को

(2) "उत्साह" एक कैसा गीत है ?
(क) देशभक्ति गीत
(ख) आह्वान गीत
(ग) प्रेम भरा गीत
(घ) शोक गीत

(3) कविता में बादलों को किसके समान सुंदर बताया गया है ?
(क) मोर के पंखों के समान
(ख) काले घुँघराले बालों के समान
(ग) यमुना नदी की लहरों के समान
(घ) काली कोयल के समान

(4) बादल के माध्यम से कवि किसकी बात कर रहा है ?
(क) सामाजिक क्रांति की
(ख) प्रकृति क्रांति की
(ग) राजनीतिक क्रांति की
(घ) हरित क्रांति की

(5) "उन्मन थे उन्मन" का क्या अर्थ है ?
(क) ऊँची आकांक्षाओं वाला मन
(ख) अनमना मन
(ग) इच्छाओं से भरा मन
(घ) प्रसन्नचित मन

(6) "अट नहीं रही है" कविता के कवि हैं –
(क) रामधारी सिंह दिनकर
(ख) सुमित्रानंदन पंत
(ग) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(घ) मंगलेश डबराल

(7) फागुन के महीने में चारों तरफ—
(क) दुख तथा निराशा
(ख) उल्लास तथा सौंदर्य का वातावरण छा जाता है
(ग) पेड़ के पत्ते नहीं झरते हैं
(घ) घृणा तथा द्वेष है

(8) "आभा" शब्द का सही अर्थ क्या है ?

(क) घर

(ख) भावना

(ग) चमक

(घ) आकाश

(9) फागुन घर-घर को किस प्रकार सुगंध से भर देता है ?

(क) हवा फैलाकर

(ख) अपनी श्वास से

(ग) फूलों की महक से

(घ) पानी बरसाकर

(10) कविता में फागुन की आभा को कैसा बताया गया है ?

(क) शांतिप्रिय

(ख) संतोषजनक

(ग) सौंदर्यहींन

(घ) सर्वव्यापक

नागार्जुन - यह दंतुरित मुसकान, फ़सल

1. तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
   मृतक में भी डाल देगी जान
   धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात –
   छोडकर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
   परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
   पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
   छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
   बाँस था कि बबूल ?

1. बच्चे की मनोहारी मुसकान कैसी होती है ?

   (क) शिष्टाचार वाली

   (ख) दिखावटीपन वाली

   (ग) कठोर एवं छली

   (घ) भोली, सरल व निश्छल

2. बच्चे की मुसकान से किसका हृदय पिघल जाता है ?

   (क) सहृदय व्यक्ति का

   (ख) नीरस एवं कठोर व्यक्ति का

   (ग) पशुओं को

   (घ) प्रकृति का

3. कवि ने बच्चे के धूल से सने शरीर की तुलना किसके साथ की है ?
(क) कमल के पत्तों से
(ख) कमल के खिले फूलों से
(ग) कठिन पाषाण से
(घ) बाँस तथा बबूल से

4. "यह दंतुरित मुसकान मृतक में भी डाल देगी जान" में कौन सा अलंकार है ?
(क) उपमा अलंकार
(ख) अतिश्योक्ति अलंकार
(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार
(घ) रूपक अलंकार

5. क्या देखकर मुर्दे में भी जान आ जाती है ?
(क) तालाब में कमल खिलते देखकर
(ख) शेफालिका के फूल झरते देखकर
(ग) पाषाण के नीचे झाँकते जल को देखकर
(घ) दाँत निकालते बच्चे की मुसकान देखकर

2. तुम मुझे पाए नहीं पहचान ?
देखते ही रहोगे अनिमेष !
थक गए हो ?
आँख लूँ मैं फेर ?
क्या हुआ यदि हो सके परिचित न पहली बार ?
यदि तुम्हारी माँ न माध्यम बनी होती आज
मैं न सकता देख
मैं न पाता जान
तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान

1. "अनिमेष" का अर्थ स्पष्ट कीजिए-
(क) आँख झपकाकर
(ख) आँखें मूंदकर
(ग) पलकें खोलकर
(घ) बिना पलक झपकाए
2. बच्चा कवि को पहचान क्यों नहीं पाया ?
(क) कवि बच्चे से पहली बार मिला
(ख) बच्चे को पहचान नहीं है
(ग) बच्चे को घूरने की आदत है
(घ) अकारण

3. बच्चे को पिता से किसने मिलाया ?
(क) कवि की माँ ने
(ख) बच्चे की माँ ने
(ग) कवि के मित्र ने
(घ) दंतुरित मुसकान ने

4. बच्चा कवि को अपलक क्यों निहार रहा है ?
(क) वह पिता से बच रहा है
(ख) वह पिता से अनजान था
(ग) वह पिता से परिचय पाने के प्रयत्न में था

5. कवि शिशु से अपनी नजर हटाने की अनुमति चाहता है, क्योंकि-
(क) लगातार देखने से शिशु की आँखें थक जाएँगी
(ख) उसे लगता है कि बालक डर रहा है
(ग) बालक रो रहा है
(घ) बालक कवि को पहचान नहीं पा रहा है

3. धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य !
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य !
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क
उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होतीं जब कि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान !

1. कवि "धन्य तुम" किसे कह रहा है और क्यों ?
(क) किसी बच्चे को उसके सौंदर्य के कारण
(ख) पत्नी को, प्रेम के कारण
(ग) पाठक को, स्नेह के कारण
(घ) पुत्र को, वात्सल्य के कारण
2. कवि स्वयं को "चिर प्रवासी" क्यों कहता है ?
(क) बालक से दूर रहने के कारण
(ख) हमेशा घर से बाहर रहने के कारण
(ग) लंबे समय से घर से बाहर रहने के कारण
(घ) घर छोड़ देने के कारण
3. लेखक शिशु के लिए "अन्य" क्यों है ?
(क) अलगाव के कारण
(ख) परिचय न होने के कारण
(ग) कोई संबंध न होने के कारण
(घ) परदेसी होने के कारण

4. आँखें चार होने का क्या अर्थ है ?
   (क) परिचय होना
   (ख) सामना होना
   (ग) प्रेम होना
   (घ) धुँधला दिखना
5. "दंतुरित मुसकान" का क्या अर्थ है ?
   (क) बिना दाँतों वाली मुसकन
   (ख) वह मुसकान जिसमें सारे दाँत दिखाई देते हैं
   (ग) पहली-पहली मुसकान
   (घ) उगते हुए दाँतों वाली मुसकान

4. एक के नहीं,
   दो के नहीं,
   ढ़ेर सारी नदियों के पानी का जादू :
   एक के नहीं,
   दो के नहीं,
   लाख-लाख कोटि-कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमा :
   एक की नहीं,
   दो की नहीं,
   हजार-हजार खेतों की मिट्टी का गुण धर्म :

1. फ़सल में किसका महत्त्व है ?
   (क) पानी
   (ख) परिश्रम
   (ग) मिट्टी
   (घ) इन सबका
2. फ़सल को उगाने में कितने लोगों ने योगदान दिया ?
   (क) किसानों ने
   (ख) ग्रामीणों ने
   (ग) लाखों लोगों ने
   (घ) लाखों-करोड़ों किसानों ने
3. "पानी का जादू" का क्या तात्पर्य है ?
   (क) पानी का प्रभाव
   (ख) पानी का रहस्य
   (ग) पानी का महत्त्व
   (घ) पानी का होना
4. फ़सल किसके हाथों के स्पर्श की महिमा है ?
   (क) सामंती शासकों के
   (ख) जमींदारों के
   (ग) जानवरों के
   (घ) परिश्रमी किसानों और मजदूरों के

5. "मिट्टी" के पर्यायवाची शब्द चुनिए –

(क) मुदा, मृत्तिका
(ख) सोम, तरंग
(ग) छोर, स्थिर
(घ) अंतरिक्ष, वल्कल

5. फ़सल क्या है ?

और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का !

1. ऊर्जा के रूप में कौन फसलों में परिवर्तित होती है ?
   (क) चाँद की किरणें
   (ख) सूरज की किरणें
   (ग) नदी का पानी
   (घ) पेड़ के पत्ते
2. कविता के अनुसार हवा का रूप कहाँ दृष्टिगोचर होता है ?
   (क) उड़ती हुई पतंग में
   (ख) चलते हुए जानवर पर
   (ग) उड़ते हुए दुपट्टे पर
   (घ) लहलहाती हुई फसलों में
3. फ़सल उगाने के लिए कौन-सी चार प्राकृतिक जरूरतें हैं ?
   (क) हवा, पानी, स्पर्श, धूप
   (ख) हवा, पानी, मिट्टी, स्पर्श
   (ग) हवा, पानी, धूप, मिट्टी
   (घ) महिमा, जादू, गुणधर्म, थिरकन
4. इस कविता में प्रमुखतया किन शब्दों का प्रयोग है ?
   (क) उर्दू, संस्कृत
   (ख) उर्दू, हिंदी
   (ग) देशज, हिंदी
   (घ) संस्कृत, हिंदी
5. कवि के अनुसार फ़सल क्या है ?
   (क) प्रकृति के श्रम का फल
   (ख) मनुष्य के श्रम का फल
   (ग) प्रकृति एवं मनुष्य के श्रम का फल
   (घ) ईश्वर के श्रम का फल

बहुविकल्पी प्रश्न –

1. "दंतुरित मुसकान" कविता के रचनाकार का नाम है-
   (क) कीर्ति चौधरी
   (ख) मीराबाई
   (ग) नागार्जुन
   (घ) रामधारीसिंह दिनकर
2. कविता के आधार पर मधुपर्क क्या है ?
   (क) माँ का प्यार
   (ख) कवि का प्यार
   (ग) पिता का प्यार
   (घ) बच्चे का प्यार
3. कवि ने बच्चे की माँ को धन्य क्यों कहा है ?
   (क) माँ बच्चे की सेवा करती है
   (ख) माँ बच्चे को जन्म देती है
   (ग) माँ के कारण कवि ने बच्चे की दंतुरित मुसकान देखी
   (घ) माँ का प्यार असीमित होता है
4. बच्चे की माँ के माध्यम बनने के कारण –
   (क) कवि बच्चे को डरा पाया
   (ख) कवि बच्चे के दुधमुँहे दाँतों की मधुर मुसकान को देख पाया
   (ग) कवि बच्चे को रुला पाया
   (घ) कवि बच्चे को गोद में उठा पाया

5. "बालक -----को एकटक देखता हुआ पहचाने की कोशिश करता है और-----को देखकर मुस्कुराने लगता है |" उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूरा कीजिए –
   (क) सभ्य, असभ्य
   (ख) अपरिचित, परिचित
   (ग) चालाक, मूर्ख
   (घ) मोटे, पतले

6. कवि ने फ़सल को नदियों के पानी का जादू क्यों कहा है ?
   (क) क्योंकि नदियों का पानी विषाक्त होता है
   (ख) क्योंकि पानी के स्पर्श से फसलें सूख जाती हैं
   (ग) क्योंकि नदियों के पानी का स्पर्श पाकर ही धरती की कोख में डाला गया बीज अंकुर बनकर फूटता है
   (घ) क्योंकि नदियों के पानी के स्पर्श से धरती की कोख में डाला गया बीज सड़ जाता है

7. "दंतुरित मुसकान" में कवि ने बाँस और बबूल को किसके प्रतीक के रूप में बताया है ?
   (क) नम्र, प्रेमी और सुहृदय लोगों के
   (ख) नीरस, शुष्क और कठोर स्वभाव वाले लोगों के
   (ग) मोटे लोगों के
   (घ) काले और लंबे लोगों के

8. बच्चे की दंतुरित मुसकान किसमें जान डाल देती है ?
   (क) कवि के शरीर में
   (ख) जंगलों में
   (ग) मृतकों के शरीर में
   (घ) वृद्धों में

9. बच्चे की मुसकान कैसी है ?
   (क) मृत्यु के समान
   (ख) बबूल के काँटों के समान
   (ग) ईर्ष्या से भरी
   (घ) मनोहारी एवं जीवनदायिनी

10. फसलों का सृजन संभव है –
   (क) केवल नदियों के जल से
   (ख) केवल प्रकृति के पोषण से
   (ग) केवल मानव के प्रयासों से
   (घ) मानव और प्रकृति के आपसी सहयोग से

संगतकार

1. मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
   वह आवाज सुंदर कमज़ोर काँपती हुई थी
   वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
   या उसका शिष्य
   या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
   मुख्य गायक की गरज में
   वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

   1. मुख्य गायक के गायन की क्या विशेषता होती है ?
      (क) उसका स्वर अत्यंत आत्मविश्वास से भरा हुआ होता है
      (ख) उसका स्वर भर्राया हुआ होता है
      (ग) उसका गायन रसहीन होता है
      (घ) उसका स्वर प्रभावशाली नहीं होता है

   2. संगतकार निम्न में से क्या करता है ?
      (क) संगतकार मुख्य गायक को भटकाता है
      (ख) संगतकार मुख्य गायक को स्वर का बल नहीं देता है
      (ग) गायक जब अंतरा गाते हुए लंबी तानों में उलझ जाता है, तब संगतकार उसे स्थायी टेक पर लाता है
      (घ) संगतकार मुख्य गायक को उलझा देता है

3. संगतकार की आवाज कमज़ोर और काँपती हुई लगती है, क्योंकि-
(क) उसे मुख्य गायक के समक्ष अपनी श्रेष्ठता का बोध होता है
(ख) उसे मुख्य गायक के समक्ष अपनी लघुता का बोध होता है
(ग) संगतकार उम्र में छोटा होता है
(घ) संगतकार बूढ़ा हो चुका होता है

4. "मुख्य गायक का स्वर चट्टान के समान ------और -----होता है।" उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूरा कीजिए –
(क) मोहक,प्रभावशाली
(ख) हल्का, काँपता हुआ
(ग) भारी, प्रभावशाली
(घ) हल्का, अप्रभावशाली

5. "वह" कौन है ?
(क) गायक का भाई
(ख) गायक क शिष्य
(ग) गायक का रिश्तेदार
(घ) संगतकार

2. गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लांघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को संभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था

1. मुख्य गायक कैसे भटक जाता है ?
(क) गाते-गाते मुख्य लय भूल जाता है
(ख) गाते-गाते कहीं चला जाता है
(ग) गाते-गाते लय सोचने लगता है
(घ) गाते-गाते रास्ता भूल जाता है

2. सरगम को लाँघने से कवि का तात्पर्य है-
(क) अंतरे की जटिल तानों में उलझ जाना
(ख) गायक का रास्ते में गुम हो जाना
(ग) गायक द्वारा भददा संगीत गाना
(घ) मुख्य गायक का सो जाना

3. कवि के अनुसार संगतकार का बहुत महत्त्व होता है क्योंकि –
   (क) वह गीत की स्थायी पंक्ति को सँभालकर गीत का स्वरूप बिगड़ने से बचाता है
   (ख) वह गीत का स्वरूप बिगड़ता है
   (ग) वह गीत को गाता है
   (घ) वह लोगों को भटकाता है

4. "स्थायी" किसे कहते हैं ?
   (क) हमेशा रहने वाली लय
   (ख) गीत की टेक पंक्ति की लय
   (ग) मूल भाव
   (घ) मूल गीत

5. "अनहद" से क्या आशय है ?
   (क) अति
   (ख) ब्रह्म ज्ञान
   (ग) ईश्वर की समाधि में
   (घ) लय की मर्यादा से दूर

3. तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
   प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
   आवाज से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
   तभी मुख्य गायक को ढ़ाढ़स बंधाता
   कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
   कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

1. तारसप्तक किसका नाम है ?
   (क) एक वीणा का
   (ख) एक वाद्ययन्त्र का
   (ग) एक लयतान का
   (घ) एक संगीत का
2. "संगतकार" किसे कहते हैं ?
   (क) सहायक
   (ख) निर्देशक
   (ग) साथी
   (घ) मित्र
3. संगतकार मुख्य गायक को कब ढ़ाढ़स बंधाता है ?
   (क) जब मुख्य गायक का गला बैठने लगता है
   (ख) जब मुख्य गायक का उत्साह मंद पड़ जाता है
   (ग) जब मुख्य गायक की आवाज गिरने लगती है
   (घ) तीनों स्थितियों में

4. तारसप्तक किसे कहते हैं ?
   (क) सरगम के उच्च स्वर को
   (ख) सरगम के नीचे स्वर को
   (ग) सरगम के मध्यम स्वर को
   (घ) इनमें से कोई नहीं
5. इस कविता की भाषा कौन-सी है ?
   (क) गुजराती
   (ख) ब्रज
   (ग) अवधी
   (घ) हिंदी

4. यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
   और यह कि फिर से गाया जा सकता है
   गाया जा चुका राग
   और उसकी आवाज में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है
   या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
   उसे विफलता नहीं
   उसकी मनुष्यता समझ जाना चाहिए |

1. किसकी आवाज की बात हो रही है ?
   (क) गायक की
   (ख) संगतकार की
   (ग) श्रोता की
   (घ) संगीतकार की

2. हिचक क्यों रहती है ?
   (क) गायक के भय के कारण
   (ख) श्रोताओं के भय के कारण
   (ग) नौसिखिया होने के कारण
   (घ) मुख्य गायक को ऊपर रखने के कारण

3. संगतकार अपनी आवाज को ऊँचा क्यों नहीं उठाता ?
   (क) मुख्य गायक का महत्त्व ऊँचा रखने की इच्छा से
   (ख) गायकी की शर्त के कारण
   (ग) मुख्य गायक का सहायक होने के कारण
   (घ) गला खराब होने के कारण
4. संगतकार का अपनी आवाज कम ऊँची रखना क्या समझा जाए ?
   (क) संगतकार की विफलता
   (ख) संगतकार की समझदारी
   (ग) संगतकार की मनुष्यता
   (घ) संगतकार का बलिदान

5. यह कविता किस प्रकार की है ?
   (क) छंदबद्ध
   (ख) छंद मुक्त
   (ग) तुकबंदी
   (घ) मिश्रित

अन्य बहुविकल्पी प्रश्न –

1. संगतकार का काम क्या है ?
   (क) अपनी आवाज को प्रमुखता देना
   (ख) गायक की आवाज को संभालना
   (ग) गायक की आवाज को प्रभावी बनाना
   (घ) गायक की आवाज को दबाना

2. मुख्य गायक कब भटकता है ?
   (क) जब वह अपरिचित मार्ग पर चला जाता है
   (ख) जब वह जंगलों में भटक जाता है
   (ग) जब वह अपनी लय को भूल जाता है
   (घ) जब वह अपनी लय की सीमाओं के पार हो जाता है

3. संगतकार मुख्य गायक की लय को कैसे पकड़े रखता है ?
   (क) तबला बजाकर
   (ख) उसे चेता कर
   (ग) गीत के पीछे बोलकर
   (घ) गीत की स्थाई पंक्ति दोहरा कर

4. संगतकार में किस चीज की हिचक होती है ?
   (क) मुख्य गायक की बराबरी करने की
   (ख) मुख्य गायक से अधिक प्रभावी होने की
   (ग) लक्ष्य से भटकने की
   (घ) महत्त्व शून्य होने की

5. संगतकार की आवाज को ऊँचा न उठाना है –
   (क) उसकी कमजोरी
   (ख) उसकी मर्यादा
   (ग) उसकी मनुष्यता
   (घ) उसकी मजबूरी

6. संगतकार मुख्य गायक को कहाँ से वापस गीत के चरण में लाता है ?
   (क) घर से
   (ख) सरगम के पार अनहद से
   (ग) मोहल्ले से
   (घ) सभागार से

7. जीवन के हर क्षेत्र में सफल व्यक्ति की सफलता में किसका हाथ होता है ?
(क) उसके साथियों की डांट होती है
(ख) उसकी माँ की झिड़कियाँ होती हैं
(ग) उसके साथियों की घृणा होती है
(घ) उसके साथ काम करने वालों का सहयोग होता है

8. कविता का मुख्य भाव क्या है ?
(क) गायन कला में मुख्य गायक को सफलता उसके सहयोगी कलाकारों के सहयोग से प्राप्त होती है
(ख) गायक अपने गायन के माध्यम से सफल होता है
(ग) मुख्य गायक कभी नहीं भटकता
(घ) मुख्य गायक गीत के चरणों में कभी नहीं उलझता

9. संगतकार मुख्य गायक का सच्चा मित्र और सहायक कब बनता है ?
(क) जब वह उसके रहने, खाने-पीने की व्यवस्था करता है
(ख) जब वह उसका मनोबल तोड़ता है
(ग) जब वह उसके मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाता है
(घ) जब वह उसके आत्मविश्वास को कम करता है

(10) निम्नलिखित में अलंकार बताइए –
"जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान |"
(क) रूपक
(ख) उत्प्रेक्षा
(ग) उपमा
(घ) उदाहरण

गद्य भाग

नेताजी का चश्मा : स्वयं प्रकाश

1. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज्यादा होने के कारण काफी समय ऊहापोह और चिट्ठी-पत्री में बर्बाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा, और अंत में कस्बे के इकलौते हाई स्कूल ड्राइंग मास्टर-मान लीजिए मोतीलाल जी-को ही यह काम सौंप दिया गया होगा, जो महीने-भर में मूर्ति बनाकर 'पदक देने' का विश्वास दिला रहे थे।

जैसा कि कहा जा चुका है, मूर्ति संगमरमर की थी। टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँची। जिसे कहते हैं बेस्ट। और सुंदर थी। नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो .....' वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था। यानी चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सामान्य के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुज़रे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इस लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुस्कास फैल गई। वाह भई ! यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की, लेकिन चश्मा रियल !

2. हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का एस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लंगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं ! फेरी लगाता है ! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं ? क्या यही इसका वास्तविक नाम है ? लेकिन पानवाले ने साफ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था। काम भी था। हालदार साहब जीप में बैठकर चले गए।

क] कैप्टन का मजाक किसने उड़ाया और बुरा किसे लगा ?
i] चाय वाले ने और ड्राइवर को
ii] पानवाले ने और हालदार साहब को
iii] पानवाले ने और ड्राइवर को
iv] चाय वाले ने और हालदार साहब को

ख] सामने से आते हुए व्यक्ति का रूप कैसा था ?
i] बेहद बूढ़ा मरियल सा
ii] सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए
iii] हाथ में छोटी संदुकची और बाँस पर टँगे चश्में
iv] उपर्युक्त सभी

ग] वह चश्मे किस तरह बेचता था ?
i] दुकान लगाकर
ii] घर पर
iii] फेरी लगाकर
iv] उपर्युक्त में से कोई नहीं

घ] उस बूढ़े व्यक्ति का नाम कैप्टन क्यों रखा गया था ?
i] उसका मजाक उड़ाने के लिए
ii] वह फौज में था
iii] माता-पिता ने यही नाम रखा था
iv] देशभक्ति भावना के कारण

च] हालदार साहब पान वाले से क्या पूछना चाहते थे ?
i] कैप्टन के नाम के बारे में
ii] कैप्टन के घर के बारे में
iii] कैप्टन के काम के बारे में
iv] बस्ती के बारे में

3. अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई। एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। उसे नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती है। बल्कि आहत करती है, मानो चश्मे के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो। इसलिए वह अपनी छोटी-सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ्रेमों में से एक नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता है। लेकिन जब कोई ग्राहक आता है और उसे वैसे ही फ्रेम की दरकार होती है जैसा मूर्ति पर लगा है तो कैप्टन चश्मेवाला मूर्ति पर लगा फ्रेम-संभवत: नेताजी से क्षमा माँगते हुए-लाकर ग्राहक को दे देता है और बाद में नेताजी को दूसरा फ्रेम लौटा देता है। वाह ! भई खूब ! क्या आइडिया है।

क] हालदार साहब को पहले कौन-सी बात समझ नहीं आई ?
i] नेताजी का चश्मा क्यों नहीं है ?
ii] नेताजी का चश्मा किसने उतार लिया ?
iii] नेताजी का चश्मा बार-बार बदलता क्यों है ?
iv] नेताजी की मूर्ति के साथ कौन छेड़खानी करता है ?

ख] चश्मे वाला नेताजी की मूर्तिपर चश्मा क्यों लगा देता है ?
i] नेताजी के कारण
ii] चश्मे के विज्ञापन के कारण
iii] अपने नेताजी के प्रति सम्मान के कारण
iv] लोगों का मन रखने के लिए

ग] चश्मे वाले को नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी क्यों लगती है ?
i] देश भक्ति के कारण
ii] सौंदर्य बोध के कारण
iii] खालीपन के कारण
iv] नगर पालिका की कोताही के कारण

घ] 'वाह ! भई खूब ! क्या आइडिया है' – यह विचार किसके मन में आया ?

i] जनता के
ii] देशवासियों के
iii] लेखक के
iv] हालदार के

च] 'आहत' का अर्थ है
i] घायल
ii] चोटग्रस्त
iii] व्यथित
iv] परेशान

4. बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातीर घर-गृहस्ती-जवानी-जिंदगी सब कुछ होम देनेवालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है। दुखी हो गए। पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुजरे। कस्बे में घुसने से पहले ही खयाल आया कि कस्बे की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा। ..... क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया। ..... और कैप्टन मर गया। सोचा आज वहाँ रुकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे खा लेंगे।

लेकिन आदत से मजबूर आँखें चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ उठ गई। कुछ ऐसा देखा कि चीखे, रोको ! जीप स्पीड में थी, ड्राइवर ने जोर से ब्रेक मारे। रास्ता चलते लोग देखने लगे। जीप रुकते-न-रुकते हालदार साहब जीप से कूदकर तेज-तेज क़दमों से मूर्ति की तरफ लपके और उसके ठीक सामने जाकर अटेंशन में खड़े हो गए।

मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं। हालदार साहब भावुक हैं। इतनी सी बात पर उनकी आँखे भर आई।

क] हालदार साहब स्वभाव से ..... ?
i] सनकी हैं
ii] पागल हैं
iii] प्रेमी-भावुक हैं
iv] भावुक देशभक्त हैं

ख] लोगों ने किसकी हँसी उड़ाई थी ?
i] हालदार की
ii] पानवाले की
iii] लेखक की
iv] चश्मेवाले की

ग] हालदार साहब ने कस्बे से गुजरते हुए आदतन क्या देखा ?
i] पानवाले को
ii] चौराहे को
iii] नेताजी की मूर्ति को
iv] कैप्टन

घ] सुभाष की मूर्ति को देखकर उनकी आँखें क्यों भर आई ?
i] पानवाले ने चश्मा लगा दिया था
ii] कैप्टन अपना काम चाय वाले को सौंप गया था
iii] बच्चों के हाथों से बना सरकंडे का चश्मा मूर्ति पर लगा था
iv] उपर्युक्त में से कोई नहीं

च] 'होम देने' का अर्थ हैं
i] घर देना
ii] पूजा करना
iii] बलिदान करना
iv] नष्ट करना

2. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. 'नेताजी का चश्मा' पाठ किसने लिखा है ?
i] सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
ii] स्वयं प्रकाश
iii] यतीन्द्र मिश्र
iv] भदंत आनंद कौसल्यायन

2. 'हालदार साहब को कितने दिनों के उपरान्त कस्बे से गुजरना पड़ता था ?
i] 7 दिनों के उपरांत
ii] 15 दिनों के उपरांत
iii] 10 दिनों के उपरांत
iv] हर 30 वें दिन

3. चौराहे पर किसकी और किस पत्थर से बनी मूर्ति थी ?
i]] नेताजी सुभाषचंद्र बोस की काले पत्थर से बनी मूर्ति थी
ii] नेताजी सुभाषचंद्र बोस की संगमरमर से बनी मूर्ति थी
iii]] नेताजी सुभाषचंद्र बोस की ग्रेनाईट पत्थर से बनी मूर्ति थी
iv]] नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मिट्टी से बनी मूर्ति थी

4. मूर्ति में किस चीज़ की कमी खटकती थी ?
i] रंगों की
ii] चश्मा न होने की
iii] सही बनावट की
iv] इनमें से कोई नहीं

5. मूर्ति की इस कमी को कौन पूरा करता था ?
i] मूर्ति वनाने वाला
ii] कैप्टन चश्मेवाला
iii] मोहल्ले वाले
iv] वहाँ खेलते हुए बच्चे

6. किस कारण वह नेताजी का चश्मा बदलता रहता था ?
i] नेताजी के प्रति प्रेमभाव दर्शाने के लिए
ii] ग्राहक को लुभाने के लिए
iii] नेताजी का सम्मान रखने के लिए
iv] इनमें से कोई नहीं

7. दो साल बदलते चश्में को देखने के उपरांत अचानक हालदार साहब ने क्या देखा ?
i] नेताजी ने काले रंग का चश्मा पहन रखा था
ii] नेताजी के चहरे पर चश्मा न था
iii] विभिन्न रंगों का चश्मा था
iv] तार का बना चश्मा था

8. 'चश्में की कमी को किसने और किसके द्वारा की गई ?
i] पानवाले के द्वारा तार से बना चश्मा
ii] बच्चों द्वारा सरकंडे से बना चश्मा लगाकर
iii] गाँव वालों द्वारा पुराना फ्रेम लगाकर
iv] इनमें से कोई नहीं

बालगोबिन भगत : रामवृक्ष बेनीपुरी

1. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. बालगोबिन भगत साधु थे- साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते , न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कौतूहल होता। कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते। वह गृहस्थ थे, लेकिन उनकी सब चीज़ साहब की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते- जो उनके घर से चार कोस दूर पर था- एक कबीर पंथी मठ से मतलब। वह दरबार में भेंट स्वरुप रख लिया जाकर 'प्रसाद' के रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर और उसी से गुज़र चलाते।

क] बाल गोबिन भगत का व्यवसाय था -
i] भक्ति
ii] गायन
iii] खेतीबारी
iv] साधु

ख] बाल गोबिन अपनी फसलें किसके दरबार में ले जाते थे ?
i] कबीर के
ii] कबीर पंथी मठ के
iii] ईश्वर के
iv] हाकिम के

ग] बाल गोबिन का स्वभाव कैसा था ?
i] झगड़ालू
ii] सरल
iii] सनकी
iv] मस्त

घ] लोगों को कौतुहल क्यों होता था ?
i] भगत जैसे साधु को खेती बारी करते देख
ii] भगत की गृहस्थी देख
iii] उनकी सच्चाई देखकर

iv] नियमों का अत्यंत बारीकी से पालन करते देख
च] "दो टूक" का तात्पर्य है -
i] थोड़ी-सी
ii] संकोच से
iii] साफ-साफ
iv] गुस्से से

2. कबीर के वे सीधे-सादे पद, जो उनके कंठ से निकल कर सजीव हो उठते। आषाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हलचल रहे हैं, कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा, धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही है। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है- यह कौन है। यह पूछना न पड़ेगा। बाल गोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अंगुली एक-एक धान के पौधे को पंक्तिबद्ध खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी पर मिट्टी पर खड़े लोगों के कान की ओर।

क] हल चलाने रोपनी का काम किस महीने में हो रहा है ?
i] फाल्गुन
ii] माघ
iii] कार्तिक
iv] आषाढ़

ख] बाल गोबिन भगत किसके पद गाया करते थे ?
i] तुलसीदास के
ii] कबीर के
iii] सूर के
iv] अपने

ग] बाल गोबिन भगत अपने खेत में क्या कर रहे हैं ?
i] हल चला रहे हैं
ii] रोपनी करते हुए गा रहे हैं
iii] खाली खड़े हैं
iv] उपर्युक्त में से कोई नहीं

घ] उनका कंठ-स्वर एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़कर कहाँ भेज रहा है ?
i] स्वर्ग की ओर
ii] गाँव के लोगों के कान की ओर
iii] ईश्वर की ओर
iv] क और ख दोनों

च] 'मुग्ध' का अर्थ है ?
i] गुमसुम
ii] उदास
iii] परेशान
iv] प्रसन्न

3. बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किन्तु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रो कर कहती – मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा – यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती ?

क] भगत पुत्रवधू को अपने पास क्यों नहीं रखना चाहते थे ?
i] बेटे की मृत्यु के बाद पुत्रवधू से उनका कोई संबंध नहीं था
ii] वे वृद्धावस्था में पुत्रवधू की जिम्मेदारी वहाँ करने में अक्षम थे
iii] वे पुत्रवधू को युवावस्था में वैधव्य का कष्ट सहते नहीं देखना चाहते थे
iv] पुत्र को खो देने के दु:ख में वे अकेले रहना चाहते थे

ख] भगत ने यहाँ किन सामाजिक रूढ़ियों का विरोध किया है ?
i] मृत्यु को दु:ख का अवसर मान शोक मनाना
ii] पति की मृत्यु होने पर स्त्री को विधवा का जीवन जीने को विवश करना
iii] विधवा का पुनः विवाह समाज-विरुद्ध मानना
iv] उपर्युक्त सभी

ग] पुत्रवधू को भेजने के लिए भगत ने अंततः क्या प्रयास किया ?
i] पुत्रवधू के भाई को बुलवाया
ii] स्वयं गृह त्याग कर चले जाने की बात कही
iii] पुत्रवधू का पुनः विवाह करवाने को कहा
iv] उपर्युक्त सभी विकल्प

घ] पुत्रवधू भगत को छोड़ कर क्यों नहीं जाना चाहती थी ?
i] पति की मृत्यु के बाद वह भगत की सेवा करना चाहती थी
ii] वह अपने पति की यादों में बाकी जीवन बिताना चाहती थी
iii] वह दूसरा विवाह नहीं करना चाहती थी
iv] भाई की अपेक्षा उसे भगत के छत्रछाया में रहना प्रिय था

च] इस गद्यांश के माध्यम से भगत की पुत्रवधू के व्यक्तित्व और स्वभाव की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है ?
i] भगत की पुत्रवधू एक संस्कारी महिला थी
ii] बड़ों का सम्मान करती और परहितार्थ चिंतित रहती थी
iii] 'क' और 'ख' दोनों सही है
iv] कोई भी विकल्प सही नहीं है

4. बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोर-चिट्टे आदमी थे। साठ से ऊपर के ही होंगे। बाल पक गए थे। लंबी दाढ़ी या जटाजूट तो नहीं रखते थे, किंतु हमेशा उनका चेहरा सफ़ेद बालों से ही जगमग किए रहता। कपड़े बिल्कुल कम पहनते। कमर में एक लंगोटी-मात्र और सिर में कबीरपंथियों की-सी कनफटी टोपी। जब जाड़ा आता, एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते। मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चन्दन, जो नाक के एक छोर से ही, औरतों के टिके की तरह, शुरू होता। गले में तुलसी की जड़ों की एक बेडौल माला बाँधे रहते। ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं, बिलकुल गृहस्थ ! उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था। थोड़ी खेतीबारी भी थी, एक अच्छा साफ-सुथरा मकान भी था। वे खेतीबारी करते, परिवार रखते।

क] बालगोबिन भगत किस कद-काठी के व्यक्ति थे ?
i] नाटे कद के
ii] मझोले कद के
iii] लंबे कद के
iv] मोटे कद-काठी के

ख] बालगोबिन भगत की उम्र क्या थी ?
i] पचास साल के
ii] साठ साल से ऊपर
iii] सत्तर साल के
iv] पैसठ साल से ऊपर के

ग] बालगोबिन भगत का पहनावा कैसा था ?
i] साधू-संत जैसे कपड़े
ii] कम कपड़े, कमर में लंगोटी, सिर में कबीरपंथियों की-सी कनफटी टोपी
iii] पूरा शरीर महंगे कपड़ों से ढका

iv] आम आदमियों जैसा वेश-भूषा

घ] बालगोबिन भगत का व्यवसाय क्या था ?
i] भजन-कीर्तन करते थे
ii] खेती-बारी करते थे
iii] व्यवसाय करते थे
iv] नौकरी करते थे

च] बालगोबिन भगत का व्यक्तित्व किस प्रकार का था ?
i] गायक प्रवृत्ति के थे
ii] साधु-संत प्रवृत्ति के थे
iii] रौबीले रंग-ढंग के थे
iv] कोई भी विकल्प सही नहीं है

2. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. 'बालगोबिन भगत' पाठ के लेखक का नाम है -
i] यशपाल
ii] रामवृक्ष बेनीपुरी
iii] महावीर प्रसाद द्विवेदी
iv] सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

2. 'बालगोबिन भगत का कद-काठी कैसा था ?
i] गोरे-चिट्टे लम्बे कद –काठी के
ii] गोरे-चिट्टे मंझोले कद के
iii] गोरे-चिट्टे मोटे
iv] इनमें से कोई नहीं

3. बालगोबिन भगत का पेशा क्या था ?
i] नौकरी करते थे
ii] किसान- खेतीबारी करना
iii] साधु-संत थे
iv] व्यापारी थे

4. बालगोबिन भगत किस संत का पद गाते थे ?
i] तुलसीदास का
ii] कबीर दास का
iii] सूरदास का
iv] रैदास का

5. बालगोबिन भगत की प्रभात फेरियाँ किस माह से और कब तक चलती है ?
i] माघ माह से आषाढ़ तक
ii] कार्तिक माह से फागुन माह तक
iii] फागुन से ज्येष्ठ माह तक
iv] कार्तिक माह में

6. गर्मियों में बालगोबिन भगत अपनी महफिल कहाँ बैठाते थे ?
i] मंदिर में
ii] अपने घर के आँगन में
iii] पड़ोसियों के घर
iv] चौराहे पर

7. बेटे के मृत्यु के समय बालगोबिन क्या कर रहे थे ?
i] पागलों जैसा हरकत कर रहे थे
ii] दुखी होने के बजाए भजन गा रहे थे
iii] बेहद दुखी थे
iv] परमात्मा को कोश रहे थे

8. अपने मृत्यु से पूर्व रात में बालगोबिन क्या कर रहे थे ?
i] भगवान से नाराज थे
ii] भजन गा रहे थे
iii] मोहल्ले के लोगों से दुखी थे
iv] इनमें से कोई नहीं

लखनवी अंदाज़ : यशपाल

1. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. आराम से सेकेंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकांत में नई कहानी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकेंड क्लास का ही ले लिया, गाड़ी छूट रही थी। सेकेंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर ज़रा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में बिघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे-जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

क] लेखक सेकेंड क्लास के डिब्बे में क्यों जा रहे थे ?
i] फर्स्ट क्लास का टिकट महंगा था
ii] सेकेंड क्लास के डिब्बे में लेखक को एकांत मिल सकता था
iii] सेकेंड क्लास में नबाब साहब जा रहे हैं
iv] थर्ड क्लास में जाना लेखक को अपमान लगता था

ख] डिब्बे की स्थिति के बारे में प्रवेश से पूर्व लेखक का अनुमान था कि - ?
i] डिब्बा एक दम खाली होगा
ii] उसे खिड़की वाली सीट मिलेगी
iii] वह नबाब साहब से मिल सकेगा
iv] डिब्बा बहुत सुविधाजनक होगा

ग] लेखक के डिब्बे में चढ़ने पर नबाब साहब की क्या प्रतिक्रिया हुई ?
i] नबाब साहब लेखक को देखकर प्रसन्न हो गए
ii] नबाब साहब ने लेखक का मौन स्वागत किया
iii] नबाब साहब को अच्छा नहीं लगा
iv] नबाब साहब ने लेखक को अपमानित किया

घ] लेखक में नबाब साहब की प्रतिक्रिया का यह कारण कल्पित किया कि -
i] नबाब साहब को संकोच था कि लेखक ने उन्हें खीरा खाते देख लिया
ii] लेखक को लगा कि शायद नबाब साहब भी कहानी के विषय में सोच रहे हैं
iii] कोई विकल्प सही नहीं है
iv] 'क' और 'ख' दोनों विकल्प सही है

च] 'सहसा कूद जाने' का क्या तात्पर्य है ?
i] अचानक कूद जाना
ii] ऊपर से कूद पड़ना
iii] अचानक तीव्रता से प्रवेश करना
iv] डिब्बे में कूदकर चढ़ना

2. ठाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है। नबाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे। संभव है, नबाब साहब ने बिल्कुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफ़ायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफेदपोश उन्हें मंझले दर्जे में सफ़र करता देखे। अकेले सफ़र का वक्त काटने के लिए ही खेरे ख़रीदे होंगे और अब किसी सफेदपोश के सामने खीरा कैसे खाएँ ? हम कनखियों से नबाब साहब की ओर देख रहे थे। नबाब साहब कुछ देर गाड़ी की खिड़की से बाहर देखकर स्थिति पर गौर करते रहे। "ओह" नबाब साहब ने सहसा हमें संबोधन किया, "आदाब-अर्ज", जनाब, खीरे का शौक फरमाएँगे ? नबाब साहब का सहसा भाव-परिवर्तन अच्छा नहीं लगा। भाँप लिया, आप शराफत का गुमान बनाए रखने के लिए हमें भी मामूली लोगों की हरकत में लथेड़ लेना चाहते हैं। जवाब दिया, 'शुक्रिया', किबला शौक फरमाएँ ?

क] लेखक को कौन-सी आदत है ?
i] ठाली बैठने की
ii] कल्पना करने की
iii] ठाली बैठ कर कल्पना करने की
iv] खाली समय में होने वाली कल्पनाओं पर चिंतन की

ख] लेखक ने नबाब साहब के बारे में क्या अनुमान लगाया ?
i] वे प्रसन्न चित्त हैं
ii] वे एकांत के आकांक्षी हैं
iii] वे मेरा साथ पाकर खुश हैं
iv] ये मेरी मौजूदगी से नाखुश है

ग] नबाब साहब खिड़की के बाहर क्यों देख रहे होंगे ?
i] प्राकृतिक दृश्य देखना चाहते थे
ii] लेखक के प्रति उदासीनता दिखाने के लिए
iii] खीरा खाने के तरीके के विषय में सोचने के कारण
iv] चिंतामुक्ति का प्रयास करने हेतु

घ] नबाब साहब ने संवादहीनता दूर करने के लिए क्या किया ?
i] खीरा खाने का प्रस्ताव दिया
ii] हालचाल पूछा
iii] अपने पास बुलाया
iv] कहानी सुनाने का आग्रह किया

च] यहाँ "सफेदपोश" से क्या तात्पर्य है ?
i] बुरा व्यक्ति
ii] भला व्यक्ति
iii] स्वार्थी व्यक्ति
iv] संपन्न व्यक्ति

3. लखनऊ स्टेशन पर खीरा बेचने वाले खीरे के इस्तेमाल का तरीका जानते हैं। ग्राहक के लिए जीरा-मिला नमक और लाल मिर्च की पुड़िया भी हाजिर कर देते हैं। नवाब साहब ने बहुत करीने से खीरे की फाँकों पर जीरा-मिला नमक और लाल मिर्च की सुर्खी बुरक दी। उनकी प्रत्येक भाव-भंगिमा और जबड़ों के स्फुरण से स्पष्ट था कि उस प्रक्रिया में उनका मुख खीरे के रसास्वादन की कल्पना से प्लावित हो रहा था। हम कनखियों से देखकर सोच रहे थे, मियाँ रईस बनते हैं, लेकिन लोगों की नजरों से बाख सकने के ख्याल में अपनी असलियत पर उतर आये हैं। नवाब साहब ने फिर एक बार हमारी ओर देख लिया, 'वल्लाह शौक कीजिए , लखनऊ का बालम खीरा है। नमक मिर्च छिड़क दिए जाने से ताजे खीरे की पनियाती फाँकें देखकर मुँह में पानी जरुर अ रहा था, लेकिन इनकार कर चुके थे। आत्म-समान निबाहना ही उचित समझा, उतार दिया, 'शुक्रिया, इस वक्त तलब महसूस नहीं हो रही, मेदा भी जरा कमजोर है, क़िबला शौक फरमाएँ' !

क] लखनऊ स्टेशन पर खीरा बेचने वालों की क्या विशेषता है ?
i] वे आसानी से बेच देते हैं
ii] वे बातें बहुत बनाते हैं
iii] वे चटपटा मसाला भी देते हैं
iv] वे रूखापन दिखाते हैं

ख] नवाब साहब के हाव-भावों से क्या पता चल रहा था ?
i] लेखक के प्रति क्रोध आ रहा था
ii] खीरे के प्रति अरुचि
iii] खीरे के स्वाद का आनंद
iv] मिर्च के तीखेपन के प्रति अरुचि

ग] नवाब साहब ने लेखक से क्या पूछा ?
i] खीरा खाना चाहेंगे ?
ii] आपका गंतव्य क्या है ?
iii] क्या काम करते हैं ?
iv] इस डिब्बे में कैसे आए ?

घ] लेखक ने खीरा खाने की इच्छा होते हुए भी मन क्यों कर दिया ?
i] क्योंकि वह मुफ्त के खीरे नहीं खाना चाहता था
ii] नवाब साहब की उदासीनता के कारण
iii] उसे खीरा अच्छा नहीं लगता था
iv] पहले इनकार कर चुके थे इसलिए अब आत्मसम्मान बचाए रखना था

च] 'शौक कीजिए' का तात्पर्य है -
i] आनंद लीजिए
ii] शौक कीजिए
iii] शौक हो तो लीजिए
iv] रुचिपूर्वक खाइए

2. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. 'लखनवी अंदाज' पाठ के लेखक का नाम है -
i] जयशंकर प्रसाद
ii] यशपाल
iii] रामवृक्ष बेनीपुरी
iv] स्वयं प्रकाश

2. कहानी रचना के लिए लेखक ने किससे सफर करना उचित समझा ?
i] हवाई जहाज से
ii] ट्रेन से
iii] जहाज से
iv] घोड़ागाड़ी से

3. लेखक ने सफर के लिए किस दर्जे का टिकट लिया ?
i] प्रथम श्रेणी का
ii] द्वितीय श्रेणी का
iii] तृतीय श्रेणी का
iv] बिना टिकट लिए

4. डिब्बे में चढ़ते ही लेखक ने वहाँ किसको बैठा पाया ?
i] अंग्रेज को
ii] नवाब को
iii] एक सुंदर महिला को
iv] एक बूढ़े व्यक्ति को

5. उस व्यक्ति ने अपने सामने खाने के लिए क्या रखा था ?
i] सेब
ii] दो ताजे खीरे
iii] आम
iv] विभिन्न प्रकार के फल
6. उस व्यक्ति ने उन खीरों का क्या किया ?
i] छीला-काटा, नमक बुरेखकर चटकारा लेकर खा लिया
ii] उसने खीरों को छीला,काटा, नमक बुरेखकर उसे सूंघकर खिड़की से बाहर फ़ेंक दिया
iii] नमक लगाकर ऐसे ही खीरों को खा लिया
iv] इनमें से कोई नहीं

7. इस घटना से क्या लेखक को अपनी नई कहानी लिखने का सूत्र मिल गया ?
i] नहीं
ii] हाँ
iii] पता नहीं
iv] इनमें से कोई नहीं

पाठ 4: एक कहानी यह भी : मन्नू भण्डारी

1. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प

चुनकर लिखिए :

1. पिता के ठीक विपरीत थी हमारी बेपढ़ी –लिखी माँ। धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिताजी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फरमाइश और जिद को अपना फ़र्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने जिन्दगी-भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं – केवल दिया ही दिया। हम भाई-बहनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मज़बूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका ..... न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता।

क] कौन-सी विशेषता माँ की नहीं है ?
i] बेपढ़ा-लिखा होना
ii] सबकी सेवा करना
iii] आवेश और क्रोध
iv] धैर्य और सहनशीलता

ख] कैसे कहा जा सकता है कि लेखिका की माँ में धरती से अधिक सहनशक्ति थी ?
i] पिता की ज्यादतियाँ और बच्चों की फरमाइशें मानती थीं
ii] उन्होंने पारिवारिक दायित्वों को निभाया था
iii] अपने शांत स्वभाव के कारण सहनशील थीं
iv] धनाभाव की कठिनाइयों ने उन्हें सहनशील बना दिया था

ग] माँ ने किसे क्या नहीं दिया ?
i] संसार को लगाव
ii] अपनों को सहानुभूति
iii] परिवार को प्यार
iv] अपने आपको सुख-सुविधा

घ] लेखिका के लिए उनकी माँ की त्याग-भावना आदर्श क्यों नहीं बन सकी ?
i] पिता के व्यवहार के कारण
ii] विवशता में किए जाने के कारण
iii] ईर्ष्या के कारण
iv] अतीत में घटी घटनाओं की प्रतिक्रिया के कारण

च] 'हम भाई-बहनों का सारा लगाव माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मज़बूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका' – यह किस प्रकार का वाक्य है ?
i] मिश्र
ii] संयुक्त
iii] साधारण
iv] सरल

2. सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ । नवाबी आदतें, अधूरी महत्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थीं । अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूंदकर सबका विश्वास करने वाले पिता के बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते ।

क] इस गद्यांश में किसके माता की बात कही गई है ?
i] लेखिका के पिता के माता की
ii] लेखिका के माता की
iii] लेखिका के नानी की
iv] इनमें से कोई नहीं

ख] यहाँ किसके अहम् की बात की गई है ?
i] लेखिका के माता की
ii] लेखिका के पिता की
iii] लेखिका के नाना की
iv] लेखिका के दादा की

ग] लेखिका की माँ किस कारण काँपती थरथराती रहती थी ?
i] परिवार के बिखराव के डर से
ii] अपने पति के क्रोध से डर के कारण
iii] बच्चों के बिद्रोह के डर से
iv] इनमें से कोई नहीं

घ] लेखिका के परिवार को किनका विश्वासघात झेलना पड़ा ?
i] लोगों का विश्वासघात
ii] परिवार के अपनों के हाथों
iii] दोस्तों का विश्वासघात
iv] दिए गए सभी विकल्प

च] विश्वासघात का असर उनके परिवार पर किस प्रकार पड़ा ?
i] लेखिका के माता पर
ii] लेखिका के पिता पर
iii] लेखिका पर
iv] लेखिका के भाईयों पर

3. यश-कामना बल्कि कहूँ कि यश-लिप्सा, पिता जी की सबसे बड़ी दुर्बलता थी और उनके जीवन की धुरी था यह सिद्धांत कि व्यक्ति को कुछ विशिष्ट बन का जीना चाहिए..... कुछ ऐसे काम करने चाहिए कि समाज में उसका नाम हो, सम्मान हो, प्रतिष्ठा हो, वर्चस्व हो। इसके चलते ही मैं दो-एक बार उनके कोप से बच गई थी। एक बार कॉलेज से प्रिंसिपल का पत्र आया कि पिता जी आकर मिलें और बताएँ कि मेरी गतिविधियों के कारण मेरे खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाई क्यों न की जाए ? पत्र पढ़ते ही पिता जी आग-बबूला। "यह लड़की मुझे कहीं मुहँ दिखाने लायक नहीं रखेगी .... पता नहीं क्या-क्या सुनना पड़ेगा वहाँ जाकर ! चार बच्चे पहले भी पढ़े, किसी ने ये दिन नहीं दिखाया।" गुस्से से भन्नाते हुए ही वे गए थे। लौटकर क्या कहर बरपा होगा, इसका अनुमान था, सो मैं पड़ोस की एक मित्र के यहाँ जाकर बैठ गई। माँ को कह सिया कि लौटकर बहुत कुछ गुब्बार निकल जाए, तब बुलाना। लेकिन जब माँ ने आकर कहा कि वे तो खुश ही हैं, चली चल, तो विश्वास नहीं हुआ। गई तो सही, लेकिन डरते-डरते। "सारे कॉलेज की लड़कियाँ पर इतना रौब है तेरा..... सारा कॉलेज तुम तीन लड़कियों के इशारे पर चल रहा है ? प्रिंसिपल बहुत परेशान थी और बार-आर आग्रह कर रही थी कि मैं तुझे घर बिठा लूँ, क्योंकि वे लूग किसी तरह डरा-धमकाकर, डांट-डपटकर लड़कियों को क्लासों में भेजते हैं और अगर तुम लोग एक इशारा कर दो कि क्लास छोड़कर बाहर आ जाओ तो साड़ी लड़कियाँ निकलकर मैदान में जब जमा होकर नारे लगाने लगती हैं। तुम लोगों के मारे कॉलेज चलाना मुश्किल हो गया है उन लोगों के लिए।" कहाँ तो जाते समय पिता जी मुँह दिखाने से घबरा रहे थे और कहाँ बड़े गर्व से कहकर आए कि वह तो पूरे देश की पुकार है ..... इस पर कोई कैसे रोक लगा सकता है भला ? बेहद गदगद स्वर में पिता जी यह सब सुनाते रहे और मैं अवाक। मुझे न अपनी आँखों पर विश्वास हो रहा था, न अपने कानों पर। पर यह हकीकत थी।

क] लेखिका के पिता जी की सबसे बड़ी दुर्बलता क्या थी ?
i] दोस्तों पर विश्वास करना
ii] यश-कामना और यश-लिप्सा
iii] परिवार पर अविश्वास
iv] इनमें से कोई नहीं

ख] पिताजी के जीवन की धुरी का सिद्धांत क्या था ?
i] लोगों के दिल पर राज करके
ii] व्यक्ति को कुछ विशिष्ट बन का जीना चाहिए
iii] लोगों की मदद कर
iv] दिए गए सभी विकल्प

ग] पिताजी के पास किनका पत्र आया था ?
i] पुलिस का पत्र
ii] लेखिका के कॉलेज से प्रिंसिपल का पत्र
iii] लेखिका के मित्र का पत्र
iv] लेखिका के नाना का पत्र

घ] पत्र पाकर पिताजी की क्या प्रतिक्रिया थी ?
i] पिताजी को गहरा धक्का लगा
ii] पिता जी आग-बबूला हो गए
iii] पिताजी सभी से कहते फिरे
iv] इनमें से कोई नहीं

च] कॉलेज से लौटने पर लेखिका ने पिता को कैसे पाया ?
i] गुस्से से उबलते पाया
ii] खुशनुमा अंदाज में पाया
iii] पागलों जैसा हरकत करते पाया
iv] पत्नी को डाँटते हुए पाया

4. वे तो आग लगाकर चले गए और पिता जी सारे दिन भभकते रहे, "बस, अब यही रह गया है कि लोग घर आकर थू-थू करके चले जाएँ। बंद करो अब इस मन्नू का घर से बहार निकलना।" इस सबसे बेखबर मैं रात होने पर घर लौटी तो पिता जी के एक बेहद अन्तरंग और अभिन्न मित्र ही नहीं, अजमेर के सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित डॉ. अंबालाल जी बैठे थे। मुझे देखते ही उन्होंने बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया, आओ, आओ मन्नू। मैं तो चौपड़ पर तुम्हारा भाषण सुनते ही सीधा भंडारी जी को बधाई देने चला आया। 'आई एम रिअली प्राउड ऑफ़ यू'..... क्या तुम घर में घुसे रहते हो भंडारी जी ..... घर से निकला भी करो। 'यू हैव मिस्ड समथिंग', और वे धुआँधार तारीफ करने लगे-वे बुलते जा रहे थे और पिता जी के चेहरे का संतोष धीरे-धीरे गर्व में बदलता जा रहा था। भीतर जाने पर माँ ने दोपहर के गुस्से वाली बात बताई तो मैंने राहत की साँस ली। आज पीछे मुड़कर देखती हूँ तो इतना समझ में आता ही है क्या तो उस समय मेरी उम्र थी और क्या मेरा भाषण रहा होगा! यह तो डॉक्टर साहब का स्नेह था जो उनके मुँह से प्रशंसा बनकर बह रहा था या यह भी हो सकता है कि आज से पचास साल पहले अजमेर जैसे शहर में चारों ओर से उमड़ती भीड़ के बीच एक लड़की का बिना किसी संकोच और झिझक के यों धुआँधार बोलते चले जाना ही इसके मूल में रहा हो। पर पिता जी! कितनी तरह के अंतर्विरोधों के बीच जीते थे वे! एक ओर 'विशिष्ट' बनने और बनाने की प्रबल लालसा तो दूसरी ओर अपनी सामाजिक छवि के प्रति भी उतनीही सजगता। पर क्या यह संभव है ? क्या पिता जी लो इस बात का बिलकुल भी अहसास नहीं था कि इन दोनों का तो रास्ता ही टकराहट का है ?

क] "वे लोग तो आग लगाकर चले गए"- यहाँ वे लोग किसके लिए प्रयोग हुआ है ?
i] मोहल्ले के लोग
ii] पिताजी के मित्र गण
iii] लेखिका के कॉलेज के अध्यापक गण
iv] लेखिका के मित्र

ख] रात में घर लौटने पर लेखिका ने किन्हें अपने पिता के सामने बैठे देखा ?
i] अपने भाई-बहनों को
ii] अजमेर के सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्ति डॉ. अंबालाल जी को
iii] पुलिस के अफसर को
iv] कॉलेज के प्राचार्या को

ग] वे इतनी रात तक लेखिका के घर क्या कर रहे थे ?
i] वे लेखिका के पिता से मिलने गए थे
ii] वे लेखिका के पिता को बधाई देने आए थे
iii] वे लेखिका के घर खाना-खाने गए थे
iv] वे घूमने के लिए गए थे

घ] लेखिका की तारीफ सुनकर पिता जी के चेहरे पर क्या बदलाव आया ?
i] पिता जी के चेहरे पर क्रोध का भाव उभरता जा रहा था
ii] पिता जी के चेहरे का संतोष धीरे-धीरे गर्व में बदलता जा रहा था
iii] पिता जी के चेहरे का अविश्वास का भाव उभरता जा रहा था
iv] इनमें से कोई नहीं

च] पिताजी किस तरह का जीवन जीते थे ?
i] बिना किसी टेंशन का जीवन जीते थे
ii] अंतर्विरोधों का जीवन जीते थे
iii] टेंशन का जीवन जीते थे
iv] इनमें से कोई नहीं

2. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :
1. 'एक कहानी यह भी' पाठ के लेखक इनमें से किसने लिखा है ?
i] सुभद्रा कुमारी चौहान
ii] मन्नू भंडारी
iii] अमृता प्रीतम
iv] महाश्वेता देवी

2. लेखिका का जन्म कहाँ हुआ था ?
i] उत्तर प्रदेश के भानपुरा गाँव में
ii] मध्यप्रदेश के भानपुरा गाँव में
iii] दिल्ली में
iv] बिहार के भानपुरा गाँव में

3. लेखिका के पिता को इंदौर से अजमेर क्यों आना पड़ा ?
i] यश प्राप्ति
ii] आर्थिक नुकसान के लिए
iii] पैसा कमाने के लिए
iv] इनमें से कोई नहीं

4. लेखिका के पिता किस विषय पर लिख रहे थे ?
i] उपन्यास
ii] अंग्रेजी-हिंदी शब्द कोश
iii] कहानी
iv] नाटक

5. लेखिका की माता कितनी पढ़ी लिखी थी ?
i] मैट्रिक पास थी
ii] अनपढ़ थी
iii] बी. ए पास थी
iv] एम. ए पास थी

6. लेखिका के कितने भाई-बहन थे ?
i] एक भाई और दो बहन
ii] एक बहन और दो भाई
iii] एक भाई और एक बहन
iv] दो भाई और दो बहनें

7. लेखिका के पिता का स्वभाव कैसा था ?
i] चिढ़चिढ़ा
ii] शक्की एवं आत्मसम्मान युक्त
iii] स्नेह दिल
iv] स्वावलंबी

8. लेखिका किससे प्रभावित होकर प्रभात-फेरियाँ, हड़ताल, जुलुस आदि में हिस्सा लेने लगी ?
i] महादेवी वर्मा
ii] श्रीमती शीला अग्रवाल
iii] स्वेता देवी
iv] रेणुका देवी

9. लेखिका के हृदय में कौन-सी भावना हिलौरें भर रही थी ?
i] जनकल्याण की भावना
ii] देश-प्रेम की भावना
iii] अध्यापक बन्ने की चाह
iv] दिए गए सभी

नौबतखाने में इबादत : यतीन्द्र मिश्र

1. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. अमीरुद्दीन का जन्म डुमराँव, बिहार के एक संगीत प्रेमी परिवार में हुआ है। 5 – 6 वर्ष डुमराँव में बिताकर वह नाना के घर, नानिहार काशी में आ गया है। डुमराँव का इतिहास में कोई स्थान बनाता हो, ऐसा नहीं लगा कभी भी। पर यह जरुर है कि शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए उपयोगी हैं। शहनाई बजाने के लिए रीड का प्रयोग होता है। रीड अन्दर से पोली होती है जिसके सहारे सहनाई को फूँका जाता है। रीड, नरकट (एक प्रकार की घास) से बनाई जाती है जो डुमराँव मुख्यत: सों नदी के किनारों पर पाई जाती है। इतनी ही महत्ता है इस समय डुमराँव की जिसके कारण शहनाई जैसा वाध्य बजाता है। फिर अमीरुद्दीन जो हम सबके प्रिय हैं, अपने उस्ताद बिस्मिल्ला खां साहब हैं। उनका जन्म-स्थान भी डुमराँव ही है। इनके परदादा उस्ताद सलार हुसैन खां डुमराँव निवासी थे। बिस्मिल्ला खां उस्ताद पैगंबरबख्श खां और मिट्ठुन के छोटे साहबजादे हैं।

क] अमीरुद्दीन का जन्म कहाँ हुआ था ?
i] काशी में
ii] बिहार के डुमराँव गाँव में
iii] गया में
iv] दिल्ली में

ख] डुमराँव गाँव के क्या विशेषता है ?
i] कबड्डी में
ii] संगीत और शहनाई में
iii] कुश्ती में
iv] खेती में

ग] शहनाई बजाने के लिए किसका प्रयोग होता है ?
i] तार का
ii] रीड का
iii] बॉस का
iv] दिए गए सभी

घ] रीड किस तरह प्रयोग में लाई जाती है ?
i] रीड के द्वारा शहनाई को पकड़ कर रखा जाता है
ii] रीड के द्वारा शहनाई में फूँक मारी जाती है
iii] रीड के द्वारा शहनाई के तारों को हिलाया जाता है
iv] रीड का शहनाई के किसी भी काम में कोई महत्त्व नहीं

च] अमीरुद्दीन असल में किस नाम से जाने जाते थे ?
i] नसरुद्दीन खां के नाम से
ii] बिस्मिल्ला खां के नाम से
iii] हुसैन खां के नाम से
iv] पैगंबरबख्श खां के नाम से

2. वैदिक इतिहास में शहनाई का उल्लेख नहीं। इसे संगीत शास्त्रांतगर्त 'सुषिर-वाद्यों' में गिना जाता है। अरब देश में फूँककर बजाये जाने वाले वाद्य जिसमें नाडी (नरकट या रीड) होती है, को 'नय' बोलते हैं। शहनाई को 'शाहेनय' अर्थात 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि दी गई है। सोलहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में तानसेन के द्वारा रची बंदिश, जो संगीत राग कल्पद्रुम से प्राप्त होती है, में शहनाई, मुरली, वंशी, श्रृंगी एवं मुरछंग आदि का वर्णन आया है।

अवधी पारंपरिक लोकगीतों एवं चैती में शहनाई का उल्लेख बार-बार मिलता है। मंगल का परिवेश प्रतिष्ठित करने वाला यह वाद्य इन जगहों पर मांगलिक विधि-विधानों के अवसर पर ही प्रयुक्त हुआ है। दक्षिण भारत के मंगल वाद्य 'नागस्वरम' की तरह शहनाई, प्रभाती की मंगलध्वनि का संपूरक है।

क] वैदिक इतिहास में किसका जिक्र नहीं है ?
i] सितार का
ii] शहनाई का
iii] हारमोनियम का
iv] बाँसुरी का

ख] 'सुषिर-वाद्यों' में किसे गिना जाता है ?
i] सितार को
ii] शहनाई को
iii] हारमोनियम को
iv] मुरली को

ग] शहनाई को किस उपाधि से नवाजा गया है ?
i] तुषिर
ii] 'शाहेनय' अर्थात 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि से
iii] नासिर
iv] किसी भी उपाधि से नहीं

घ] संगीत सम्राट तानसेन ने किन-किन वाद्य यंत्रों का जिक्र किया है ?
i] शहनाई, मुरली, वंशी, हारमोनियम एवं मुरछंग आदि यंत्रों का
ii] शहनाई, मुरली, वंशी, श्रृंगी एवं मुरछंग आदि यंत्रों का
iii] शहनाई, मुरली, वंशी, तबला एवं मुरछंग आदि यंत्रों का
iv] शहनाई, मुरली, वंशी, तबला एवं करताल आदि यंत्रों का

च] दक्षिण भारत का कौन-सा वाद्य यंत्र शहनाई का पूरक है ?
i] मृदुंग
ii] 'नागस्वरम'
iii] विणा
iv] कोम्मु

3. काशी संस्कृति की पाठशाला है। शास्त्रों में आनंदकानन के नाम से प्रतिष्ठित। काशी में कलाधर हनुमान व नृत्य-विश्वनाथ हैं। काशी में बिस्मिल्ला खां हैं। काशी में हजारों सालों का इतिहास है जिसमें पंडित कंठे महाराज हैं, विद्याधरी हैं, बड़े रामदास जी हैं, मौजुद्दीन खां हैं व इन रसिकों से उपकृत होने वाला अपार जन-समूह है। यह एक अलग काशी है जिसकी अलग तहजीब है, अपनी बोली और अपने विशिष्ट लोग हैं। इनके अपने उत्सव हैं, अपना गम। अपना सेहरा-बनना और अपना नौहा। आप यहाँ संगीत को भक्ति से, भक्ति को किसी भी धर्म के कलाकार से, कजरी को चैती से, विश्वनाथ को विशालाक्षी से बिस्मिल्ला खां को गंगाद्वार से अलग करके नहीं देख सकते।

अकसर समारोहों एवं उत्सवों में दुनिया कहती है ये बिस्मिल्ला खां हैं। बिस्मिल्ला खां का मतलब-बिस्मिल्ला खां की शहनाई। शहनाई का तात्पर्य-बिस्मिल्ला खां का हाथ। हाथ से आशय इतना भर कि बिस्मिल्ला खां की फूंक और शहनाई की जादुई आवाज असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है। शहनाई में सरगम भरा है। खां साहब को ताल मालूम है, राग मालूम है। ऐसा नहीं कि बेताले जाएँगें। शहनाई में सात सुर लेकर निकल पड़े।

क] काशी किसकी पाठशाला है ?
i] ज्ञान की
ii] संस्कृति की
iii] वैदिक शास्त्रों की
iv] धार्मिक ग्रंथो की

ख] शास्त्रों में काशी किस नाम से प्रतिष्ठित है ?
i] नंदनकानन के रूप में
ii] आनंदकानन के रूप में
iii] परमानंद के रूप में
iv] मोक्ष नगरी के रूप में

ग] काशी के हज़ारों सालों के इतिहास में कौन-कौन हैं ?
i] पंडित कंठे महाराज
ii] पंडित कंठे महाराज, विद्याधरी, बड़े रामदास जी, मौजुद्दीन खां
iii] तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई
iv] तुलसीदास, रामदास, रैदास

घ] काशी में संगीत को किस रूप में देखा जाता है ?
i] साधना के रूप में
ii] भक्ति के रूप में
iii] कला के रूप में
iv] ईश्वर के प्रति आस्था के रूप में

च] काशी और बिस्मिल्ला खां कैसे एक दूसरे से जुड़े हैं ?
i] गायन और बाजन के रूप में
ii] शहनाई के सुरीले सुर से
iii] कुश्ती और आखाड़ा के रूप में
iv] संगीत और गायक के रूप में

4. एक सच्चे सुर साधक और सामाजिक की भाँति बिस्मिल्ला खां साहब को इन सबकी कमी खलती है। काशी में जिस तरह बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खां एक-दूसरे के पूरक रहे हैं, उसी तरह मुहर्रम-ताजिया और होली-अबीर, गुलाल की गंगा-जमुनी संस्कृति भी एक दूसरे के पूरक रहे हैं। अभी जल्दी ही बहुत कुछ इतिहास बन चुका है। अभी आगे बहुत कुछ इतिहास बन जाएगा। फिर भी कुछ बचा है जो सिर्फ काशी में है। काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है। काशी में मरण भी मंगल माना गया है। काशी आनंदकानन है। सबसे बड़ी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खां जैसा लय और सुर की तमीज सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है जो हमेशा से दो कौमों को एक होने व आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा।

भारतरत्न से लेकर इस देश के ढेरों विश्वविद्यालयों की मानद उपाधियों से अलंकृत व संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार एवं पद्मविभूषण जैसे सम्मानों से नहीं, बल्कि अपनी अजेय संगीतयात्रा के लिए बिस्मिल्ला खां साहब भविष्य में हमेशा संगीत के नायक बने रहेंगे।

क] काशी में कौन-कौन एक दूसरे के पूरक हैं ?
i] बिस्मिल्ला खां और मौजुद्दीन खां
ii] बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खां
iii] रैदास और बिस्मिल्ला खां
iv] भोलानाथ और बिस्मिल्ला खां

ख] भोलेनाथ और शहनाई के अलावा और क्या-क्या काशी में एक दूसरे के पूरक हैं ?
i] संगीत और गंगा-जमुनी संस्कृति
ii] मुहर्रम-ताजिया और होली-अबीर, गुलाल की गंगा-जमुनी संस्कृति भी एक दूसरे के पूरक हैं
iii] मुहर्रम-ताजिया और गंगा-जमुनी संस्कृति
iv] इनमें से कोई नहीं

ग] काशी किन थापों से जागती और सोती है ?
i] काशी शहनाई के गुंजन से जागती और सोती है
ii] काशी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है
iii] शहनाई और तबला के थापों से जागती और सोती है
iv] मोक्ष के मंत्रोचारण से जागती और सोती है

घ] काशी में किसको मंगल माना गया है ?
i] काशी में जन्म लेना भी मंगल माना गया है
ii] काशी में मरण भी मंगल माना गया है
iii] काशी में संगीत साधकों को मंगल माना गया है
iv] इनमें से कोई भी नहीं

च] बिस्मिल्ला खां को किन-किन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है ?
i] केवल भारतरत्न से
ii] भारतरत्न, विश्वविद्यालयों की मानद उपाधियों, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार एवं पद्मविभूषण
iii] भारतरत्न और पद्मविभूषण
iv] किसी भी पुरस्कार से नहीं

2. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. बिस्मिल्ला खां शहनाई के रियाज के लिए कहाँ जाते थे ?

i] विश्वनाथ मंदिर

ii] बालाजी के घर

iii] अपने घर के छत पर

iv] दोस्तों के घर

2. बिल्मिल्ला खां शहनाई और काशी को इस धरती का क्या मानते थे ?

i] नरक

ii] जन्नत

iii] बोझ

iv] बेकार

3. किस अवसर पर काशी का संगीत आयोजन होता था ?

i] होली में

ii] हनुमान- जयंती के अवसर पर

iii] कृष्णाष्टमी में

iv] नृत्य-कला के उत्सव पर

4. अमीरुद्दीन के शहनाई गुरु कौन थे ?

i] रसलूनबाई

ii] अलीबख्श खां

iii] अमीरुद्दीन के पिता

iv] बिस्मिल्लाह खां

5. बिस्मिल्ला खां खुदा से क्या माँगा करते थे ?

i] जग की खुशी

ii] सच्चे सुर का वरदान

iii] अपनी खुशी

iv] अपने परिवार

6. बिस्मिल्ला खां की पसंदिता हीरोइन कौन थी ?

i] सुरैया

ii] सुलोचना

iii] नर्गिस

iv] मुमताज

7. बिस्मिल्ला खां को भारत सरकार ने किस पुरस्कार से नवाजा था ?
i] संगीत नाटक पुरस्कार
ii] भारत रत्न और पद्मविभूषण से
iii] पदम् विभूषण
iv] दिए गए सभी

8. बिस्मिल्ला खां को अपने अंतिम दिनों में किस चीज़ का मलाल रहा ?
i] अपनी उपेक्षा होना
ii] शहनाई के प्रति लोगों का रुझान का कम होना
iii] पैसों का
iv] इनमें से कोई नहीं

9. उस्ताद बिस्मिल्ला खां कब हमसे अलविदा कर गए ?
i] 21 अगस्त 2007
ii] 21 अगस्त 2006
iii] 21 अगस्त 2010
iv] 25 अगस्त 2006

संस्कृति : भदंत आनंद कौसल्यायन

1. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. जो शब्द सबसे कम समझ में आते हैं और जिनका उपयोग होता है सबसे अधिक; ऐसे दो शब्द हैं सभ्यता और संस्कृति। इन दो शब्दों के साथ जब अनेक विशेषण लग जाते हैं, उदहारण के लिए जैसे भौतिक – सभ्यता और आध्यात्मिक –सभ्यता, तब दोनों शब्दों का जो थोड़ा बहुत अर्थ समझ में आया रहता है, वह भी गलत-सलत हो जाता है। क्या यह एक ही चीज है अथवा दो वस्तुएँ ? यदि दो हैं तो दोनों में क्या अंतर है ? हम इसे अपने तरीके पर समझने की कोशिश करें। कल्पना कीजिए उस समय की जब मानव समाज का अग्नि देवता से साक्षात नहीं हुआ था। आज तो घर-घर चूल्हा जलता है। जिस आदमी ने पहले पहल आग का आविष्कार किया होगा, वह कितना बड़ा आविष्कर्ता होगा ! अथवा कल्पना कीजिए उस समय की जब मानव को सुई-धागे का परिचय न था, जिस मनुष्य के दिमाग में पहले-पहल बात आई होगी कि लोहे के एक दुकड़े को घिसकर उसके एक सिरे को छेदकर और छेद में धागा पिरोकर कपड़े के दो टुकड़े एक साथ जोड़े जा सकते हैं, वह भी कितना बड़ा आविष्कर्ता रहा होगा !

क] कौन सा शब्द सबसे कम समझ में आता है पर उपयोग अधिक होता है ?
i] सभ्यता
ii] सभ्यता और संस्कृति
iii] संस्कृति
iv] इनमें से कोई नहीं

ख] गद्यांश में किन दो आविष्कारों का जिक्र है ?
i] पहिया और चक्र
ii] आग और सुई-धागा
iii] आग और पहिया
iv] सुई-धागा और चक्र

ग] कपड़े के दो टुकड़ों को कैसे जोड़ा जा सकता है ?
i] सुई-धागे और चिपकाने वाले पदार्थ से
ii] सुई-धागे के मदद से
iii] मंत्रो के द्वारा
iv] किसी भी तरह से नहीं जोड़ा जा सकता है

घ] सुई को कैसे बनाया गया होगा ?
i] लोहे के एक दुकड़े को घिसकर
ii] लोहे के एक दुकड़े को घिसकर उसके एक सिरे को छेदकर
iii] लकड़ी के एक दुकड़े को घिसकर
iv] पीतल के एक दुकड़े को घिसकर

च] सभ्यता शब्द के साथ विशेषण का प्रयोग कर दो नए शब्द बनाए ?
i] आंचलिक – सभ्यता और पारंपरिक – सभ्यता
ii] भौतिक – सभ्यता और आध्यात्मिक – सभ्यता
iii] सभ्य +ता और अ + सभ्यता
iv] सभ्य मानव और असभ्य मानव

2 . जिस योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर आग का व सुई-धागे का आविष्कार हुआ, वह है व्यक्ति विशेष की संस्कृति ; और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार हुआ, जो चीज़ उसने अपने तथा दूसरों के लिए आविष्कृत की, उसका नाम है सभ्यता । जिस व्यक्त में पहली चीज़, जितनी व जैसी परिष्कृत मात्रा में होगी, वह व्यक्ति उतना ही अधिक व वैसा ही परिष्कृत आविष्कर्ता होगा । एक संस्कृति व्यक्ति किसी नई चीज़ की खोज करता है ; किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है । जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से वह वास्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता । एक आधुनिक उदाहरण लें । न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया । वह संस्कृत मानव था । आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से तो परिचित है; लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञात प्राप्त है जिनसे शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा । ऐसा होने पर भी हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा सभ्य भले ही कह सके ; पर न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते ।

क] जिस योग्यता, प्रवृत्ति, प्रेरणा के बल पर आग या सुई-धागे का आविष्कार हुआ वह व्यक्ति का क्या बोध करता है ?
i] व्यक्ति विशेष की संस्कार
ii] व्यक्ति विशेष की संस्कृति
iii] व्यक्ति की तपस्या
iv] व्यक्ति विशेष की लगन
ख] जिस संस्कृति के आधार पर वस्तु विशेष के भलाई के लिए आविष्कार हुआ उस संस्कार को क्या कहते हैं ?
i] आत्सम्मान की तुष्टिकरण
ii] सभ्यता
iii] नाम और धेम
iv] असभ्यता

ग] प्रथम अविष्कार करता वास्तव में क्या होता है ?
i] वास्तविक असंस्कृत व्यक्ति
ii] वास्तविक संस्कृत व्यक्ति
iii] सभ्य व्यक्ति
iv] अविष्कार कर्ता

घ] न्यूटन अविष्कार कर्ता हैं ..... (रिक्त स्थान भरें)
i] टेलीविजन का
ii] गुरुत्वाकर्षण का
iii] रेडियो का
iv] इंटरनेट का

च] न्यूटन के सिद्धांत को पढ़कर अन्य तत्वों के जानकार विद्यार्थी या आविष्कारकों को क्या कहा जा सकता है ?
i] सुसंस्कृत
ii] सभ्य या संस्कृत
iii] असंस्कृत
iv] कल्याणकारी

3. भौतिक प्रेरणा, ज्ञानेप्सा-क्या ये दो ही मानव संस्कृति के माता-पिता हैं ? दूसरे के मुँह में कौर डालने के लिए जो अपने मुँह का कौर छोड़ देता है, उसको यह बात क्यों और कैसे सूझती है । रोगी बच्चे को सारी रात गोद में लिए जो माता बैठी रहती है, वह आखिर ऐसा क्यों करती है ? सुनते हैं कि रूस का भाग्यविधाता लेनिन अपनी डैस्क में रखे हुए डबल रोटी के सूखे टुकड़े स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था । वह आखिर ऐसा क्यों करता था ? संसार के मज़दूरों को सुखी देखने का स्वप्न देखते हुए कार्ल मार्क्स ने अपना सारा जीवन दुःख में बिता दिया । और इन सबसे बढ़कर आज नहीं, आज से ढाई हज़ार वर्ष पूर्व सिद्धार्थ ने अपना घर केवल इसलिए त्याग दिया कि किसी तरह तृष्णा के वशीभूत लड़ती-कटती मानवता सुख से रह सके । हमारी समझ में मानव संस्कृति की जो योग्यता आग व सुई-धागे का आविष्कार कराती है ; वह भी संस्कृति है जो योग्यता तारों की जानकारी कराती है, वह भी है; और जो योग्यता किसी महामानव से सर्वस्व त्याग कराती है, वह भी संस्कृति है ।

क] यह गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ?
i] बालगोबिन भगत
ii] संस्कृति
iii] नौबतखाने में इबादत
iv] लखनवी अंदाज

ख] मानव-संस्कृति के माता-पिता हैं ?
i] सभ्यता और संस्कृति
ii] भोतिक प्रेरणा और ज्ञानेप्सा
iii] मानव सभ्यता
iv] मानव और संस्कृति

ग] रूस का भाग्य विधाता था ?
i] स्टालिन
ii] लेलिन
iii] बिस्मार्क
iv] मुसोलिनी

घ] मज़दूरों को सुखी देखने के लिए किसने अपना जीवन दुःख में बिता दिया ?
i] गोपालन रेड्डी ने
ii] कार्ल मार्क्स ने
iii] स्टालिन ने
iv] लेलिन ने

च] किस महान्मनव ने तृष्णा के वशीभूत आपस में लड़ती मानवता को सुखी देखने के लिए अपना घर त्याग दिया ?
i] महावीर
ii] गौतम बुद्ध
iii] महात्मा गाँधी
iv] स्वामी विवेकानंद

4. और सभ्यता ? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम । हमारे खाने-पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने पहनने के तरीके, हमारे गमना-गमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीके; सब हमारी सभ्यता हैं । मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनास के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन-रात आत्म-विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा ?

संस्कृति के नाम से जिस कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता है, वह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु । मानव ने जब-जब प्रज्ञा और मैत्री भाव से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है तो उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की ज़रूरत है । मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है, वह अकल्याणकार की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी है ।

क] संस्कृति का परिणाम है .....
i] संस्कृति
ii] सभ्यता
iii] कार्य
iv] खाना-पीना

ख] संस्कृति कब असंस्कृति बन जाएगी ?
i] जब सभ्यता बन जाएगी
ii] जब कल्याण की भावना नष्ट हो जाएगी
iii] जब काम करने की भावना नष्ट हो जाएगी
iv] जब साधनों का अविष्कार होगा

ग] संस्कृति का संबंध है .....
i] संस्कृत विषय से
ii] कल्याण की भावना से
iii] याद करने से
iv] ज्ञान की भावना से

घ] असंस्कृति जननी है .....
i] अनभिज्ञता की
ii] असभ्यता की
iii] अनुशासन की
iv] अपनेपन की

च] संस्कृति और सभ्यता का मूल मंत्र क्या है ?
i] स्वयं के हित की भावना
ii] जन-कल्याण की भावना का विकास
iii] जन कल्याण के विनाश की भावना
iv] असयोग की भावना

2. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

1. 'संस्कृति' पाठ किसने लिखा है ?
i] यतीन्द्र मिश्र
ii] भदंत आनंद कौसल्यायन
iii] यशपाल
iv] स्वयं प्रकाश

2. लेखक ने आग और सुई-धागे के अविष्कारों से क्या स्पष्ट करने का प्रयास किया है ?
i] दोनों ही आविष्कार आविष्कारक ने अपने लिए की
ii] दोनों ही आविष्कार मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया गया है
iii] कपड़े सिलने के लिए
iv] इनमें से कोई नहीं

3. रात के तारों को देखकर न सो सकने वाले व्यक्ति को प्रथम पुरस्कर्ता क्यों कहा गया है ?
i] क्योकि उसे तारों को देखकर नींद नहीं आई होगी
ii] क्योंकि वह व्यक्ति ज्ञान प्राप्ति एवं समाज कल्याण हेतु नए खोज की अग्रसर होता है
iii] रात के जगमगाते तारे की सुंदरता जग के सामने लाने के लिए
iv] इनमें से कोई नहीं

4. प्रज्ञा और मैत्री भाव किस नए तथ्य का दर्शन करवा सकता है ?
i] आपस में शत्रुता के भाव को दर्शाता है
ii] ऐसी वस्तु को न देख पाना जिसकी रक्षा हेतु दलबंदी की आवश्यकता पड़े
iii] दोस्ती के भाव का दर्शन करवाता है
iv] उपर्युक्त सभी

5. मानव की ऐसी कौन सी योग्यता है जो संस्कृति की जननी बनी ?
i] प्रेम भाव
ii] त्यागमयी भावना
iii] प्रेम और त्यागमयी भावना
iv] इनमें से कोई नहीं

6. परिष्कृत आविष्कर्ता कौन होता है ?
i] जो अपूर्ण आविष्कर्ता हो
ii] जो पुर्णतः परिष्कृत हो
iii] जो सभी कुछ जानता हो
iv] दिए गए सभी

7. सभ्यता और संस्कृति आपस में क्या है ?
i] अलग-अलग है
ii] परस्पर में गहरा संबंध है
iii] दुश्मन है
iv] दोनों एक है

8. आग की खोज- एक बड़ी खोज क्यों मानी गई ?
i] प्रगति का परिवर्तन
ii] आमूल परिवर्तन का आना एवं जीवन जीने का ढंग बदल जाना
iii] सब कुछ तहस-नहस हो जाना
iv] इनमें से कोई नहीं